▪ आषाढ़ कृष्ण - 4 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 327 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 25-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

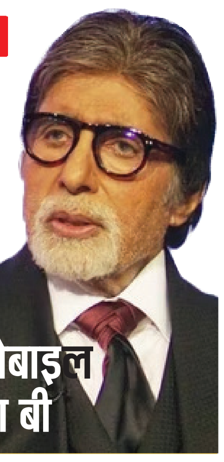

5 ममता ने नीट को खत्म करने और पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया

6 कैसा होगा मोदी गठबंधन सरकार का भविष्य?

7 प्रशंसकों से जुड़ने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं बिग बी

फर्स्ट टेक

खुफिया ब्यूरो के प्रमुख को एक साल का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली/भाषा। खुफिया ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख तपन कुमार डेका को जून 2025 तक एक साल का सोमवार को सेवा विस्तार दिया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गई। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 जून 2024 से आगे एक वर्ष की अवधि के लिए खुफिया ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है।

आदि कैलाश यात्रा 25 जून से स्थगित होगी

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा 25 जून से अस्थाई रूप से रोक दी जाएगी। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुमाऊं मंडल विकास निगम के एक अधिकारी एल एम तिवारी ने बताया कि यात्रा को अस्थाई रूप से स्थगित करने का निर्णय उच्च हिमालयी क्षेत्र में मानसून के दौरान तीर्थयात्रा के बाधित होने की आशंका के दृष्टिगत लिया गया। उन्होंने बताया कि यात्रा के लिए बुकिंग सितंबर में फिर से शुरू कर दी जाएगी। आदि कैलाश को पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे से प्रसिद्धि मिली। प्रधानमंत्री तब जोलिंगकांग गए थे, जहां से आदि कैलाश चोटी का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यह यात्रा 13 मई को शुरू हुई थी और अब तक करीब 600 श्रद्धालु यात्रा कर चुके हैं।

श्रीनगर को मिला 'विश्व शिल्प नगरी' का दर्जा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को विश्व शिल्प परिषद द्वारा आधिकारिक तौर पर 'विश्व शिल्प नगरी' का दर्जा दिया गया है। यहां एक अधिकारिक प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर को 'विश्व शिल्प नगरी' का दर्जा मिलने से हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही इससे यहां के पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास को लाभ मिलेगा। प्रवक्ता ने रविवार शाम को कहा, यह प्रतिष्ठित सम्मान शहर की समृद्ध विरासत और इसके कारीगरों के असाधारण कौशल को दर्शाता है। इन कारीगरों के समर्पण और कला ने विश्व में प्रसिद्धि और पहचान पाई है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि श्रीनगर को मिला यह सम्मान यहां के कारीगरों की कड़ी मेहनत और असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है तथा यह श्रीनगर की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है।

	25-06-2024	26-06-2024
	सूर्यास्त 6:49 बजे	सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
77,341.08	23,537.85
(+131.18)	(+36.75)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

तीसरे कार्यकाल में पहले से तीन गुना ज्यादा मेहनत करेगी राजग सरकार : मोदी

देश की जनता विपक्ष से 'ठोस काम' और संसद की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता विपक्ष से 'नखरे, ड्रामा, नारेबाजी और व्यवधान' की जगह 'ठोस काम' और संसद की गरिमा बनाए रखने की उम्मीद करती है। एक अच्छे और जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उनकी सरकार हर किसी की सहमति के साथ और हर किसी को साथ लेकर चलने का निरंतर प्रयास करेगी।

18वीं लोकसभा की शुरुआत के अवसर पर संसद भवन परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने संसदीय चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को 'महान और भव्य' बताया तथा कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में उनकी सरकार पहले से तीन गुना ज्यादा मेहनत करेगी और परिणाम भी तीन गुना लाकर रहेगी।

इस अवसर पर उन्होंने साल 2047 तक 'श्रेष्ठ और विकसित' भारत के लक्ष्य को हासिल करने के संकल्प को दोहराया और साथ ही आपातकाल को याद करते हुए देशवासियों को इसकी 50वीं वर्षगांठ पर यह संकल्प लेने का आग्रह किया कि भारत में फिर कभी कोई यह हिम्मत नहीं कर सके। मोदी ने कहा, देश की जनता विपक्ष से अच्छे कदमों की अपेक्षा रखती है। अब तक तो निराशा मिली है। इस 18वीं लोकसभा में देश उनसे विपक्ष के नाते उनकी भूमिका की अपेक्षा करता है, लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने की अपेक्षा करता है। मैं आशा करता हूं कि विपक्ष उस पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा, लोग सदन में बहस की अपेक्षा करते हैं। लोगों को ये अपेक्षा नहीं है कि नखरे होते रहे, ड्रामे होते रहें, व्यवधान होता रहे। लोग ठोस काम चाहते हैं, नारेबाजी नहीं चाहते हैं। देश को एक अच्छे विपक्ष की आवश्यकता है, जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता है और मुझे पक्का विश्वास है कि इस 18वीं लोकसभा में हमारे जो सांसद जीतकर के आए हैं, वो सामान्य जन की उन अपेक्षाओं को पूर्ण करने का प्रयास करेंगे।

जगत प्रकाश नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता बनाये गए

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को संसद के उच्च सदन राज्यसभा में नेता सदन बनाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नड्डा को पीयूष गोयल की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है क्योंकि गोयल हाल ही में हुए चुनाव में जीत के बाद लोकसभा के सदस्य चुने गये हैं। नड्डा को गत फरवरी में एक बार फिर से राज्यसभा के लिए चुना गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में पहले से ही नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह संयोग ही है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही अध्यक्ष राज्यसभा के सदस्य हैं और सदन में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर देशवासी संकल्प लें ताकि फिर कोई इसे लागू करने की हिम्मत ना करे : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल को लोकतंत्र पर लगा 'काला धब्बा' करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसकी 50वीं बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं करेगा। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के अवसर पर संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा, कल 25 जून है। जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा के प्रति समर्पित है, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं... उनके लिए 25 जून ना भूलने वाला दिवस है। कल 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर जो काला धब्बा लगा था, उसके 50 वर्ष हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नई पीढ़ी ये कभी नहीं भूलेगी कि उस समय कैसे देश के संविधान को पूरी तरह नकार दिया गया था, देश को जेल खाना बना दिया गया था और लोकतंत्र को पूरी तरह दबोच दिया गया था। उन्होंने कहा, आपातकाल के ये 50 साल इस संकल्प के हैं। गौरव के साथ हमारे संविधान की रक्षा करते हुए... भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए... देशवासी ये संकल्प करेंगे कि भारत में फिर कभी कोई ऐसी हिम्मत नहीं करेगा जो 50 साल पहले की गई थी और लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा दिया गया था।

देश में 25 जून, 1975 को आपातकाल घोषित किया गया था और यह 21 मार्च, 1977 तक जारी रहा। इस अवधि को नागरिक स्वतंत्रता के निर्मम दमन के तौर पर देखा जाता है।

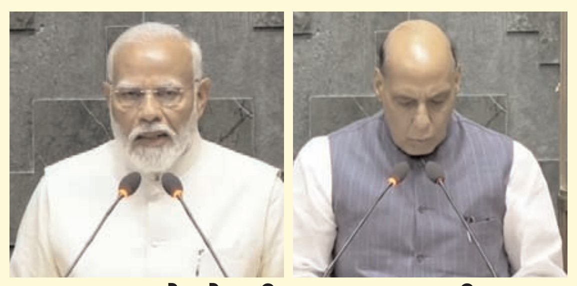

262 सांसदों ने ली सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों सहित 18वीं लोकसभा के कुल 262 सदस्यों ने संसद की सदस्यता की शपथ ग्रहण की। अस्थायी अध्यक्ष भर्तृहरि मेहताब ने मोदी को सबसे पहले शपथ ग्रहण करायी। इसके बाद पीठासीन अधिकारियों के पैनल के सदस्य के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राधामोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते ने शपथ ग्रहण की।

पूर्वाह्न 11 बजे सदन के समवेत होने पर मेहताब ने आसन ग्रहण किया और उसके तुरंत बाद राष्ट्रगान की धुन बजायी गयी। 18वीं लोकसभा के सभी सदस्यों को उनके निर्वाचन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके बाद लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त नवनिर्वाचित सांसदों की सूची हिन्दी एवं अंग्रेजी में सदन के पटल पर रखी। अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि राहुल गांधी ने केरल की वायनाड सीट से त्यागपत्र दे दिया है और उसे स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद मेहताब ने शपथ विधि के लिए नियम बताये।

जैसे ही लोकसभा महासचिव ने प्रधानमंत्री मोदी का नाम शपथ के लिए पुकारा, सत्ता पक्ष में हर्ष की लहर दौड़ गयी। मोदी ने अध्यक्षीय आसन के दाहिनी ओर बने मंच पर आ कर शपथ ग्रहण की और फिर सदस्यता के रजिस्टर पर हस्ताक्षर किये। भाजपा के राधामोहन सिंह ने दूसरे नंबर पर और तीसरे नंबर पर फग्गन सिंह कुलस्ते ने शपथ ग्रहण की। इसके उपरांत उपनेता राजनाथ सिंह, अमित शाह, गडकरी, चौहान, खट्टर आदि मंत्रियों ने शपथ ली। नियमानुसार सबसे पहले नेता सदन के तौर पर प्रधानमंत्री, तत्पश्चात पीठासीन अधिकारियों के पैनल के सदस्यों, फिर केन्द्रीय कैबिनेट मंत्रियों, फिर स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों और फिर राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। इसके बाद राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के क्रम में वर्णानुक्रम से सांसदों को शपथ के लिए बुलाया गया।

कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर ली शपथ

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में सोमवार को सदस्यता की शपथ लेते समय कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। विपक्ष सदस्य 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन की बैठक में संविधान की प्रति लेकर पहुंचे थे।

असम के धुबरी से निर्वाचित कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन ने अपने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ पढ़ी। बिहार के सासाराम से कांग्रेस के सदस्य मनोज कुमार ने भी अपने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ग्रहण की। हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संविधान को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। उनका आरोप था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान बदलना चाहती है।

पुलिस ने नीट में गड़बड़ी का संबंध महाराष्ट्र से होने का पता लगाया, एक शिक्षक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर से आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने जिला परिषद स्कूल के एक शिक्षक को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) मामले में गिरफ्तार किया है और चार व्यक्तियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि जांच में यह पता चला था कि 'नीट-यूजी' परीक्षा में सफल होने के लिए पैसे देने को इच्छुक छात्रों की मदद करने के वास्ते एक गिरोह चलाया जा रहा था। नांदेड़ एटीएस इकाई ने जिन चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें लातूर के दो शिक्षक, नांदेड़ का एक व्यक्ति और दिल्ली का एक निवासी शामिल हैं। संजय तुकाराम जाधव और जलील खान उमर खान पठान (दोनों लातूर के शिक्षक), नांदेड़ के इरन्ना मशनाजी कोंगलवार और दिल्ली निवासी गंगाधर के खिलाफ सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि पठान को रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य तीन आरोपी फरार हैं।

बिहार, गुजरात और राजस्थान से नीट-यूजी के पांच मामलों की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ली

नई दिल्ली/भाषा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित गड़बड़ी के पांच नए मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है। इन मामलों की जांच गुजरात, राजस्थान और बिहार की पुलिस कर रही थी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने गुजरात और बिहार से एक-एक मामला और राजस्थान से तीन मामलों को अपनी प्राथमिकी के रूप में फिर से दर्ज किया है, वहीं महाराष्ट्र के लातूर से एक और मामले की जांच भी एजेंसी के अपने हाथ में लेने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि बिहार के मामले को छोड़कर, अन्य चार मामले अभ्यर्थी की जगह अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने तथा स्थानीय अधिकारियों, निरीक्षकों और अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी से संबंधित छिटपुट मामले प्रतीत होते हैं।

दिसंबर 2024 तक राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा : नृपेंद्र मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सोमवार को कहा कि राम मंदिर की पहली मंजिल इस साल जुलाई तक पूरी हो जाएगी और उम्मीद जताई कि दिसंबर 2024 तक राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

मिश्र ने अयोध्या में संवाददाताओं से कहा, मंदिर की निर्माणाधीन पहली मंजिल का काम जुलाई के अंत तक पूरा हो जाएगा। जुलाई के बाद, दूसरी मंजिल का निर्माण ही बचेगा। इसलिए, हमें उम्मीद है कि दिसंबर तक मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। मिश्र ने कहा कि राजस्थान के संगमरमर का उपयोग 'राम दरबार' और सात मंदिरों को बनाने में किया जाएगा और इसके लिए चार मूर्तिकारों को चुना गया है।

राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के माथे पर तिलक न लगाए जाने को लेकर मीडिया के एक वर्ग में हाल ही में उठे विवाद पर मिश्र ने कहा, पहले जो श्रद्धालु आते थे, उन्हें तिलक नहीं लगाया जाता था। वे भगवान के दर्शन करके चले जाते थे। केवल कुछ खास लोग, जो दूसरे द्वार से आते थे, उन्हें तिलक लगाया जाता था।

मिश्र ने कहा, इसलिए यह कहना पूरी तरह से भ्रामक है कि श्रद्धालुओं को तिलक नहीं लगाया गया या नहीं दिया जा रहा है। कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है, चाहे वह आम श्रद्धालु हो या खास।

गाजा में भीषण लड़ाई बहुत जल्द समाप्त हो जाएगी : नेतन्याहू

यरुशलम/एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के खिलाफ तीव्र लड़ाई खत्म होने की कगार पर है।

इजरायली न्यूज चैनल 14 टीवी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि राफा में युद्ध का गहन चरण समाप्त होने वाला है और इजरायली सेना पूरे गाजा पट्टी में तीव्र लड़ाई के समापन की कगार पर है। उन्होंने कहा, इसका मतलब गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष का अंत नहीं है और हमास के ठिकानों के खिलाफ लड़ाई के साथ अभियान जारी रहेगा। गाजा में तीव्र लड़ाई के समापन के बाद, हम उत्तर की ओर बढ़ते रहेंगे। उन्होंने लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ पूर्ण युद्ध शुरू करने की इजरायल की चेतावनियों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायल-लेबनान सीमा पर युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए कोई भी समझौता, हमारी शर्तों को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि वह केवल उस समझौते पर सहमत होंगे, जिसमें गाजा पट्टी में हमास को सत्ता से हटा दिया जाएगा और लगभग 100 बंधकों को रिहा किया जाएगा, जो अभी भी फिलिस्तीनी एन्क्लेव में बंद हैं।

गाजा में तीव्र लड़ाई के समापन के बाद, हम उत्तर की ओर बढ़ते रहेंगे।

ओडिशा के मुख्यमंत्री का आरोप
बीजद शासन के दौरान मेरी हत्या का प्रयास किया गया

क्योंझर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को आरोप लगाया कि बीजू जनता दल (बीजद) की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल के दौरान बम फेंककर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता माझी ने अपने गृह जिले क्योंझर के झुमपुरा में अभिनंदन के लिए आयोजित एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''क्योंझर के मंडुआ में बम विस्फोट करके मुझे मारने की कोशिश की गई थी। हालांकि, भगवान के आशीर्वाद और लोगों के प्यार के कारण मैं बच गया।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब मां तारिणी, मां दुर्गा, भगवान बलदेव और भगवान जगन्नाथ मेरे साथ हैं,

उच्चतम न्यायालय में केजरीवाल को राहत नहीं

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर दिल्ली उच्च न्यायालय की अंतरिम रोक को सोमवार को 'थोड़ा असमान्य' करार दिया और मामले को 26 जून के लिए स्थगित कर दिया।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि अगर इस बीच उच्च न्यायालय इस मामले में कोई आदेश पारित करता है तो उसे रिकॉर्ड पर लाया जा सकता है।

पीठ ने हालांकि कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश 'थोड़ा असामान्य' है, क्योंकि आम तौर पर सुनवाई की तारीख पर ही रोक से संबंधित कोई आदेश पारित किया जाता है।

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलों पर गौर करने के बाद शीर्ष अदालत ने मामले पर विचार के लिए 26 जून की तारीख मुकर्रर की। ईडी की ओर से उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय मंगलवार को अपना आदेश सुना सकता है। इसके बाद अदालत ने मामले को 26 जून के लिए स्थगित करने का आदेश पारित किया।

डायरिया रोको अभियान

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को डायरिया रोको अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर मंत्रालय में राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रतापराव गणपतराव जाधव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

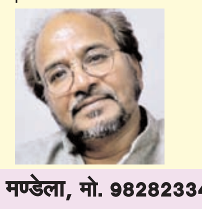

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा साध्वीश्री हेमप्रभाश्रीजी की 17वीं पुण्यतिथि के मौके पर मानवसेवा के तहत कनकपुरा रोड स्थित शांतिधाम वृद्धाश्रम में सहयोग सामग्री प्रदान की गई। ज्ञानकंवर कल्याणमल कांकरिया, सुशीलादेवी बहादुरकुमार कांकरिया परिवार के सौजन्य से आश्रम में राशन व अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गई तथा नाश्ता कराया गया। इस मौके पर अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, मंत्री ललित डाकलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आत्म शिक्षा ही दीक्षा का प्रथम सोपान है : समणी सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन संत डॉ. पदमचंद्रजी शिष्याएँ जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में जैन समणी सेंटर के प्रांगण में जयगच्छाधिपति आचार्य पार्श्वचंद्र म.सा. का 64 वां और डॉ. पदमचंद्र महाराज साहेब का 37 वाँ दीक्षा दिवस धर्म ध्यान, जप तप के साथ मनाया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए डॉ. समणी सुयशनिधिजी ने कहा कि अहिंसा, संयम और तप का समागम जहां हो, वो ही धर्म है। हिंसा का संपूर्ण रूप से त्याग साधु साध्वीगण करते हैं जिसके लिए साधक अपने आपको तप साधना में जुटाकर संयमित होता है।डॉ. समणी ने कहा कि आचार्य पार्श्वचंद्रजी म.सा. और डॉ. पदमचंद्र म.सा. की जोड़ी राम लक्ष्मण जैसी है, सुधर्मा स्वामी और जंबू स्वामी जैसी है। जन जन में धर्म का, वैराग्य का, संस्कारों का बीजारोपण करने में गुरु भगवंतों का अथक प्रयास रहा है। दीक्षा दिवस के उपलक्ष में कुछ न कुछ त्याग व्रत प्रत्याख्यान अवश्य लेने की प्रेरणा दी। इस मौके पर 165 तपस्वियों को पारणे से पूर्व मंगल पाठ श्रवण करवाया।इस मौके पर 600 लोगों को जैन प्रसाद का वितरण किया गया। दोपहर में बनेचंद रेवंतमल नाहर परिवार के निवास पर नवकार मंत्र एवं जय जाप का आयोजन किया गया। मंच का संचालन रमेश सियाल ने किया।

आचार्य विमलसागरसूरी पहुंचे मैसूर, श्रद्धा के साथ हुआ संतों का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर केजैन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रांगण में आचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी व गणिवर्य श्री पद्मविमलविजयजी का मंगलमय प्रवेश शोभायात्रा के साथ महावीर जिनालय के प्रांगण में हुआ। श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी से संतों का स्वागत किया। इस मौके पर आचार्यश्री बुद्धिसागरजी म.सा. की ९९वीं पुण्यतिथि उनके गुणगान करके मनाई। आचार्य विमलसागरजी ने गुरुदेव की पूरी जीवनी से उपस्थित जनों को अवगत कराया। प्रवेश कार्यक्रम में सुमतिनाथ महिला मंडल, शांतिनाथ महिला मंडल, कुंथुनाथ महिला मंडल, मुनिसुव्रत महिला मंडल, आदिश्वर महिला मंडल, सुविधिनाथ महिला मंडल, राजेंद्र परिषद महिला मंडल, सुमति वधु मंडल की सदस्याओं के बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रवेश के अवसर पर जैन चैरिटेबल के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष वसंत राठौड़, सचिव प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष पारस जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन, हंसराज जैन, कांतिलाल जैन, जयन्तिलाल जैन, वसंत जैन, विजय शाह के साथ कल्याण मित्र वर्षावास समिति के पदाधिकारी मूलचंद जैन, अशोक जैन, भोजराज जैन, पद्मावती ट्रस्ट अध्यक्ष दलीचंद जैन सहित अनेक संघों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, MAJOR H R MAYLA alias MAYLA HEERA RAM S/o Late Cholaram, aged abovt 77 years R/ at #27, 2nd Cross, Venugopal Swamy layout, Ejipura, Vivekanagar Post, Bangalore - 560047 have changed my name to MAJOR HEERA RAM MAYLA, (SL03434L), vide Affidavit dated 22.06.2024, sworn before Notary S.Samuel Solomon, Bangalore.

आरोग्य फाउंडेशन ने ग्राम सेविकाओं को दिया टेलीमेडिसिन का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरोग्य फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया बेंगलूरु चैप्टर, तलवाड़ी मंच के तत्वावधान में 10 दिवसीय टेलीमेडिसिन प्रशिक्षण सत्र का समापन हुआ। इसमें शारीरिक संरचना, प्रेगनेंसी में स्त्रियों की स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं गर्भाशय-अंडाशय के बारे में जानकारियां दी गई। आयुर्वेदिक सत्र में घरेलू उपचार के बारे में क्लास हुई। साथ ही साथ स्कूली बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली, योग इत्यादि की जानकारी देने का प्रशिक्षण दिया गया। इस सत्र में सर्पदंश, हड्डी टूट जाने, चोट लगजाने पर प्राथमिक उपचार की भी जानकारी दी। सहयोगियों द्वारा प्रायोजित मेडिकल किट सभी महिलाओं को दिए गए जिसमें वेईंग मशीन, बीपी, शुगर चेकअप मशीन, हीमोग्लोबिन चेकअप मशीन, इंची टेप जैसी 10 अन्य चीज़ों के साथ-साथ ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, एक

एंड्रॉयड फोन व चार्जर दिया गया। इसके बाद आरोग्य प्रकल्प द्वारा एक बॉन्ड पेपर पर हस्ताक्षर लिए गए। फाउंडेशन की अध्यक्ष सरिता भंसाली, मंत्री दीपक गोयल व उपाध्यक्ष रमेश गुन्देचा हैं।

मप्र की सिविल सेवा परीक्षा का फर्जी पर्चा टेलीग्राम पर बेचने की कोशिश, मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश की सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक दौर का पर्चा लीक होने का झांसा देकर एक फर्जी प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया पर 2,500 रुपए में बेचने की कोशिश करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

संयोगितागंज थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) के सतर्कता अधिकारी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड विधान और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत रविवार रात मामला दर्ज किया गया। राज्य सेवा परीक्षा के एक उम्मीदवार ने बताया कि पर्चा लीक होने की अफवाहों की शुरुआत सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर बनाए गए एक खाते के कारण हुई जिस पर दावा किया गया था कि एमपीपीएससी के प्रश्नपत्र 2,500-2,500 रुपए में बिकाऊ हैं। उम्मीदवार ने बताया कि इस टेलीग्राम खाते पर भुगतान के लिए एक क्यूआर कोड भी दिया गया था। एमपीपीएससी के ओएसडी रवींद्र पंचभाई ने बताया,सोशल मीडिया पर दो दिन पहले 'सामान्य अध्ययन' विषय का पर्चा लीक होने के झूठे दावे के साथ एक संदिग्ध प्रश्नपत्र प्रसारित किया गया था।

सावंत ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, 'विकसित गोवा' के निर्माण के लिए मार्गदर्शन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और केंद्र की महत्वाकांक्षी 'विकसित भारत 2047' योजना के तहत 'विकसित गोवा' के निर्माण के लिए उनसे मार्गदर्शन मांगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सावंत ने मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने विकसित भारत 2047 की महत्वाकांक्षी दृष्टि के तहत विकसित गोवा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी से मार्गदर्शन और समर्थन मांगा। बयान में कहा गया है कि सावंत ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की और उन्हें उत्तरी गोवा के मोपा में मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 66 से जोड़ने वाली छह लेन की संपर्क सड़क का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान में बताया गया है कि गडकरी को दक्षिण गोवा में एमईएस कॉलेज जंक्शन से बोगमालो जंक्शन तक चार लेन की संपर्क सड़क की आधारशिला रखने के लिए भी आमंत्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि सावंत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की, जिन्होंने नौ जून को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में शपथ ली थी। बयान में कहा गया है कि सावंत ने नड्डा को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

रेल मंत्री वैष्णव ने कवच के उन्नत संस्करण की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) कवच 4.0 के उन्नत संस्करण की प्रगति की यहां रेल भवन में समीक्षा की। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कवच 3.2 संस्करण को स्वीकृति प्रदान किए गए उन मार्गों पर लगाया जा रहा है जिन पर रेलगाड़ियों की अधिक आवाजाही है।

उन्होंने कहा कि नए मार्गों पर नवीनतम संस्करण का उन्नयन किया जाना और कवच को लगाने का काम एकसाथ होगा, जिससे कम समय में व्यापक रेलवे नेटवर्क को इसके दायरे में लाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वैष्णव ने 22 जून को कवच 4.0 की प्रगति की समीक्षा की। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कवच के तीन विनिर्माता जो संस्करण 4.0 के परीक्षण के उन्नत चरण में हैं, उन्होंने मंत्री को इसकी प्रगति रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि इसकी समीक्षा करने के बाद मंत्री ने निर्देश दिया कि कवच के तैयार होते ही इसे 'मिशन मोड' में योजनाबद्ध तरीके से लगाया जाए। रेल मंत्रालय का कहना है कि कवच का विकास रेलवे सुरक्षा में एक मील का पत्थर है। वैष्णव ने पहले भी मीडिया से बातचीत के दौरान कई मौकों पर कहा है कि 1980 के दशक में दुनिया की अधिकांश प्रमुख रेलवे प्रणालियों में एटीपी का उपयोग शुरू कर दिया गया, जबकि भारतीय रेलवे ने 2016 में ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली के पहले संस्करण की स्वीकृति के साथ इसकी शुरुआत की।

दिल्ली को पानी का उचित हिस्सा मिलने तक भूख हड़ताल जारी रखूंगी: आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा है कि वह स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बावजूद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तब तक जारी रखेंगी जब तक हरियाणा द्वारा दिल्ली के लिए पानी का उचित हिस्सा जारी नहीं किया जाता।

दिल्ली के लिए उसके हिस्से का पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर शुरू की गई आतिशी की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज चौथा दिन है। उन्होंने कहा, मेरा रक्तचाप और शर्करा का स्तर गिर रहा है और मेरा वजन भी कम हो गया है। कीटोन का स्तर बहुत अधिक है जो लंबे समय में हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। चाहे मेरे शरीर को कितना भी कष्ट क्यों न हो, मैं भूख हड़ताल तब तक जारी रखूंगी जब तक हरियाणा पानी नहीं छोड़ देता। एक वीडियो संदेश में दिल्ली की मंत्री ने कहा कि रविवार को चिकित्सकों ने उनकी स्वास्थ्य जांच की। मंत्री ने दावा किया कि हरियाणा ने पिछले तीन हफ्तों में राष्ट्रीय राजधानी के लिए छोड़े जाने वाले यमुना के पानी में दिल्ली का हिस्सा 100 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि 100 एमजीडी कम पानी मिलने की वजह से दिल्ली में पानी की कमी हो गई है, जिससे यहां के 28 लाख लोग प्रभावित हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को आप के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आश्वासन दिया है कि वे इस बात पर विचार करेंगे कि क्या उनका राज्य शहर को अतिरिक्त पानी उपलब्ध करा सकता है।

केंद्र ने गेहूं पर भंडारण सीमा लगाई, कीमतों पर नियंत्रण के लिए आयात शुल्क घटाने पर विचार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने सोमवार को थोक और खुदरा विक्रेताओं के साथ प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं भंडार रखने की सीमा को तय कर दिया। इस पहल का मकसद जमाखोरी को रोकना और कीमतों को काबू में रखना है। गेहूं पर स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2025 तक वैध रहेगी।

केंद्र ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के किसी भी प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया और कहा कि खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए जरूरत पड़ने पर खाद्यान्न पर आयात शुल्क में कमी सहित अन्य नीतिगत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है।

वर्तमान में गेहूं पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क है। निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता है और बाजार में सट्टेबाजी और खाद्यान्न की जमाखोरी को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

चोपड़ा ने कहा, मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं...हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें। पिछले हफ्ते केंद्र ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए तुअर और चना दालों पर स्टॉक सीमा लगा दी थी।

'वित्त आयोग मुफ्त की रेवड़ियों, हरित दायरा बढ़ाने को मुआवजे से जुड़े मुद्दों का समाधान करेगा'

शिमला/भाषा। सोलहवां वित्त आयोग मुफ्त की 'रेवड़ियां' बांटने और हरित दायरा बढ़ाने के लिए मुआवजे से संबंधित मुद्दों का समाधान करेगा। आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने सोमवार को यह बात कही। पनगढ़िया ने हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद यहां पत्रकारों से कहा कि राज्य की अपेक्षाओं और जरूरतों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने 90 स्लाइड की एक प्रस्तुति दी, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य में हर चीज की लागत इसके कठिन भूभाग के कारण बहुत अधिक है। चेयरमैन ने एक सवाल के जवाब में कहा, आयोग मुफ्त की 'रेवड़ियों' के मुद्दे पर भी विचार करेगा, क्योंकि हम जानते हैं कि इनका चलन बढ़ गया है और राज्यों तथा राजनीतिक दलों के बीच मुफ्त सुविधाएं देने की होड़ मची हुई है।

गौरतलब है कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने 2022 के पिछले विधानसभा चुनाव से पहले जारी अपने चुनाव घोषणापत्र में 18 से 59 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि वित्त आयोग 1952 से एक तटस्थ निकाय रहा है और पेशेवर तरीके से काम करता है। यह किसी राज्य के साथ पहला परामर्श है और आयोग अन्य राज्यों का दौरा करेगा। आयोग के सदस्यों ने कहा कि हिमाचल को पहले राज्य के रूप में चुना गया है, क्योंकि मानसून आ रहा है और राज्य सरकार को मानसून से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन योजना भी एक मुद्दा है, जो खर्चों को प्रभावित करेगा।

बाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, हमने राज्य की स्थिति और ऋण देनदारी के बारे में 16वें वित्त आयोग के सदस्यों को बता दिया है और उनसे कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने भारी कर्ज लिया था और हमें कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। उन्होंने बताया, हमने कहा कि पानी हमारी संपत्ति है और अगर हम इस पर उपकर लगाते हैं, तो न्यायालय रोक लगा देता है।

कृषि, ग्रामीण आय पर ध्यान दे रही है सरकार, ट्रैक्टर की मांग सतत बनी रहेगी : स्वराज इंजन

नई दिल्ली/भाषा। स्वराज इंजन लिमिटेड का मानना है कि भारत में कृषि की स्थिति में सुधार लाने की ओर सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रयासों तथा ग्रामीण आय बढ़ाने के लिए उसके द्वारा की गई विभिन्न पहल से ट्रैक्टर मांग की गति बरकरार रखने में मदद मिलने की संभावना है। हालांकि, उद्योग की ट्रैक्टर बिक्री में सात प्रतिशत की गिरावट आई है। एमएंडएम स्वराज डिविजन द्वारा निर्मित ट्रैक्टर के लिए डीजल इंजन की आपूर्ति करने वाली कंपनी ने वर्ष 2023-24 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि देश में बढ़ता बागवानी क्षेत्र कमतर हॉर्सपावर (एचपी) बाजार में ट्रैक्टर की पहुंच बढ़ाने के अच्छे अवसर प्रदान करता है। इसने कहा, वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू ट्रैक्टर उद्योग ने 8,75,700 इकाइयों का उत्पादन किया, जो पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 9,45,300 इकाइयों की तुलना में सात प्रतिशत की गिरावट है, जिसका मुख्य कारण अनियमित और असमान वर्षा वितरण है, जिसने खरीफ उत्पादन को प्रभावित किया है।

पहले से कहीं अधिक मजबूत है समूह, सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी: गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जाने-माने उद्योगपति गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि उनका बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ा समूह पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है और इसका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। उन्होंने रिकॉर्ड कमाई, नकदी की मजबूत स्थिति और सबसे कम कर्ज अनुपात का हवाला देते हुए यह बात कही।

अदाणी ने कहा कि भारत 2032 तक 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है और बुनियादी ढांचे के 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़कर 2,500 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। ''ऐसे में अदाणी समूह एक बुनियादी ढांचा कंपनी होने के नाते आने वाले इस अवसर का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. के शेयरधारकों की सालाना बैठक में उन्होंने पिछले साल अमेरिकी निवेश और शोध कंपनी की रिपोर्ट के बाद आए अभूतपूर्व संकट का जिक्र किया। सोमवार को 62 साल के हुए अदाणी ने कहा, हमें एक

विदेशी निवेश और 'शॉर्ट सेलर' कंपनी के निराधार आरोपों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में हमारी दशकों की कड़ी मेहनत पर सवाल उठाया गया। हमारी ईमानदारी और साख को कठघरे में खड़ा किया गया। पर हमने डटकर मुकाबला किया और साबित कर दिया कि कोई भी चुनौती उस नींव को कमजोर नहीं कर सकती जिस पर आपका समूह स्थापित है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर शेयरों के मूल्य में हेराफेरी, अकउंटिंग के स्तर पर धोखाधड़ी, मुखौटा कंपनियों का एक जटिल जाल बनाकर नियमों की अनदेखी कर समूह की कंपनियों में निवेश करने जैसे आरोप लगाए। हालांकि, अदाणी समूह ने इन आरोपों से इनकार किया लेकिन रिपोर्ट के कारण उसका बाजार मूल्यांकन 150 अरब डॉलर घटकर निचले स्तर पर आ गया। उन्होंने कहा, सामान्यत: 'शॉर्ट सेलर' का मकसद बाजार से लाभ हासिल करना होता है। यह कुछ अलग था। यह दोतरफा हमला था। एक तरफ हमारी वित्तीय स्थिति को लेकर आलोचना की गई, दूसरी तरफ समूह की छवि बिगाड़ने के लिए अभियान चलाया गया और हमें सियासी लड़ाई में घसीटा गया। अदाणी ने कहा, मीडिया के एक तबके में भी दुष्प्रचार को आगे बढ़ाया गया। इसके जरिये हमें बदनाम करने, ज्यादा-से-ज्यादा नुकसान पहुंचाने और हमारी मेहनत से अर्जित बाजार मूल्य को नष्ट करने का प्रयास किया गया।

संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भारतीय परंपरा में संस्कृत के महत्व पर जोर देते हुए इसे भारत की आत्मा और हमारे अतीत और वर्तमान के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। बेंगलूरु में कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के दौरान उन्होंने राजभवन में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह और 61वीं अखिल भारतीय शास्त्र प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह में यह बात कही।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि हमारी संस्कृति में संस्कृत की अभिन्न भूमिका और विभिन्न क्षेत्रों में इसके व्यापक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, संस्कृत को दुनिया की सबसे पुरानी जीवित भाषा कहा जाता है, जिसमें कविता, तर्कशास्त्र, व्याकरण, दर्शन, सौंदर्यशास्त्र, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, गणित और संबंधित विषयों में ज्ञान का विशाल भंडार समाहित है। उन्होंने वर्ष 2010 में कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रशंसा की, जिसका उद्देश्य संस्कृत भाषा और साहित्य में उच्च शिक्षा और शोध को आगे बढ़ाना है। राज्यपाल ने कहा, अपनी स्थापना के बाद से, इस विश्वविद्यालय ने अपने मिशन को पूरा करने के लिए लगन से काम किया है, विभिन्न गतिविधियों में मान्यता और कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

कार्यक्रम के दौरान पांच नई पुस्तकों का विमोचन किया गया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुस्तकें विद्यार्थियों के लिए बहुमूल्य संसाधन के रूप में काम आएंगी और आम जनता का ज्ञान बढ़ाएंगी। राज्यपाल ने अयोध्या में आयोजित 61वीं अखिल भारतीय शास्त्र प्रतियोगिता में विजय वैजयंती पुरस्कार जीतने वाले छात्रों को भी बधाई दी। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की लगातार सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे छात्रों ने 15 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक जीते हैं, साथ ही 2 विशेष पुरस्कार भी जीते हैं। खगोल विज्ञान, कविता, साहित्य और व्याकरण में उनकी दक्षता ने विश्वविद्यालय और कर्नाटक राज्य को बहुत गौरव दिलाया है। राज्यपाल गहलोत ने उम्मीद जताई कि कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता रहेगा। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अहिल्या शर्मा समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अदालत ने प्रज्ज्वल रेवन्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की एक अदालत ने कई महिलाओं के साथ बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत अवधि सोमवार को समाप्त होने के बाद प्रज्ज्वल को अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें आठ जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बीच, रेवन्ना की जमानत अर्जी अतिरिक्त दिवानी एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष आई और अदालत ने 26 जून के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया।

जनता दल (सेक्युलर) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के 33 वर्षीय पोते प्रज्ज्वल हालिया लोकसभा चुनाव में हासन संसदीय सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में असफल रहे थे। एसआईटी ने 31 मई को जर्मनी से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर उतरते ही प्रज्ज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया था। हासन में हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी रवाना हो गये थे। उनके खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस भी जारी किया गया था।

प्रज्ज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज हैं। उन पर बलात्कार का भी आरोप है। कथित यौन उत्पीड़न के मामले उस वक्त सामने आए थे, जब 26 अप्रैल को हासन में लोकसभा चुनाव से पहले प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो वाले पेन-ड्राइव मिले थे। प्रज्ज्वल के खिलाफ मामले दर्ज होने के बाद जद (एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था।

सूरज रेवन्ना को एक जुलाई तक सीआईडी हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने एक व्यक्ति के कथित यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार किए गए जनता दल सेक्युलर (जद एस) के विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना को सोमवार को एक जुलाई तक के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की हिरासत में भेज दिया। सीआईडी ने रविवार रात को रेवन्ना को 42 वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया था। अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था। इस मामले की फाइल मिलने के बाद सीआईडी सोमवार को अदालत पहुंची और आगे की जांच के लिए उनकी (रेवन्ना की) हिरासत का अनुरोध किया।

मंत्री अपने कार्यों की समीक्षा करें : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री के अधिक पदों के सृजन की मांग पर आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्रियों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि उन्होंने लोकसभा चुनावों में कितनी कुशलता से काम किया। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियांक खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को उम्मीद से चार सीटें कम मिली हैं। उन्होंने कहा कि जिन मंत्रियों ने जिम्मेदारियां ली थीं, उन्हें अपने प्रदर्शन पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि जो लोग उपमुख्यमंत्री पद चाहते हैं, उन्हें पार्टी हाईकमान या कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के समक्ष अपनी मांग रखनी चाहिए। मीडिया उन्हें उपमुख्यमंत्री नहीं बनाएगा। उनकी मांग हास्यास्पद है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री को छोड़कर सभी मंत्रियों को उपमुख्यमंत्री बना दिया जाए, तब सभी समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व मिल जाएगा।

उपमुख्यमंत्री के और अधिक पदों के सृजन पर बहस रविवार को उस समय छिड़ गई, जब सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने बयान दिया कि वे उपमुख्यमंत्री के अधिक पदों के सृजन की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि नेताओं की उपेक्षा की जाएगी, तो विभिन्न संप्रदायों के सदस्यों का पार्टी से भरोसा उठ जाएगा। यदि सत्ता एक वर्ग के पास होगी, तो अन्य लोग अलग-थलग पड़ जाएंगे। गौरतलब है कि मंत्री राजन्ना कांग्रेस पार्टी में लिंगायत, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं के लिए उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं।

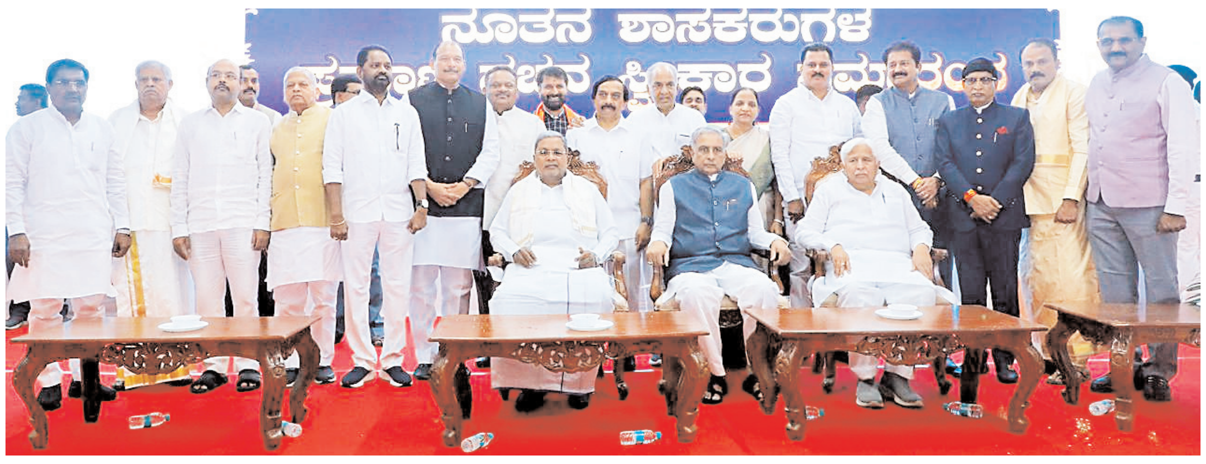

कर्नाटक में 17 नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्यों ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्दरामैया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी. टी. रवि समेत 17 नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को कर्नाटक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ली। इनमें से ग्यारह एमएलसी विधानसभा के सदस्यों द्वारा निर्विरोध चुने गए हैं, जबकि स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से तीन-तीन विधान पार्षद इस महीने की शुरुआत में हुए चुनावों में विजयी हुए। इस अवसर पर विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल भी उपस्थित थे।

इन सदस्यों में कांग्रेस के यतीन्द्र सिद्दरामैया, बाल्खीस बानू, एन एस बोसराजू (मंत्री), के गोविंदराज (मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार), वसंत कुमार, इवान डिसूजा और जगदेव गुट्टेदार; भाजपा के सी टी रवि, एन रवि कुमार और एम जी मूले और जेडीएस के टी एन जावराय गौड़ा को छह जून को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था।

श्रीलंका के मंत्री ने लिट्टे को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटेन के फैसले की सराहना की

चेन्नई/ कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम को प्रतिबंधित सूची में बनाए रखने के ब्रिटेन सरकार के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम इस द्वीपीय देश में पूर्व सशस्त्र समूह की खुद को फिर से खड़ा करने की हर साजिश को विफल कर देगा। साबरी ने कहा कि लिट्टे के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का दृष्टिकोण और रणनीति विदेशी सरकारों से इस प्रतिबंध को रद्द करवाना है।

कलबुर्गी हवाई अड्डे पर बम रखने की धमकी फर्जी निकली

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। कर्नाटक के कलबुर्गी हवाई अड्डे को सोमवार को ईमेल के जरिए बम रखे होने की धमकी मिली जो व्यापक तलाश अभियान के बाद फर्जी निकली। पुलिस ने बताया कि ईमेल मिलने के तुरंत बाद बम निरोधक दस्ता और श्वान दस्ता हवाई अड्डा परिसर की तलाशी में लगाया गया। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त चेतन आर. ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हवाई अड्डे के निदेशक चिलका महेश को सोमवार को सुबह एक अज्ञात आईडी से ईमेल मिला जिसमें दावा किया गया कि हवाई अड्डा परिसर में एक बम रखा गया है। उन्होंने कहा, कलबुर्गी घरेलू हवाई अड्डे पर बम की धमकी के ईमेल के बारे में सूचना मिलने पर हमने एक बम निरोधक दस्ता भेजा। बेंगलूरु से पहुंचे विमान में सवार सभी यात्रियों को उतारा गया। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के सभी कर्मियों और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है और परिसर में गहन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाश अभियान के घंटों बाद पुलिस ने घोषणा की कि यह धमकी फर्जी है क्योंकि कोई ''संदिग्ध'' वस्तु नहीं पायी गयी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सुबह छह बजकर 54 मिनट पर एक ईमेल मिला जिसमें दावा किया गया कि टर्मिनल इमारत के शौचालय में पांच बम रखे गए हैं। हमने तुरंत सरकारी तंत्र, बम निरोधक दस्ते, राज्य पुलिस, केंद्रीय खुफिया ब्यूरो को सूचित किया...हमने बम के खतरे का आकलन करने के लिए एक बैठक भी की और तुरंत सभी यात्रियों को इमारत से बाहर निकाला। उन्होंने बताया, जैसे ही बेंगलूरु से विमान उतरा, उसे अलग स्थान पर ले जाया गया और सभी यात्रियों तथा उनके सामान की भी जांच की गयी।

मुज़िगल अत्याधुनिक संगीत अकादमी का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मुज़िगल' संगीत, शिक्षा क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। कर्नाटक में अत्याधुनिक चौथी मुजिगल अकादमी का शुभारंभ किया गया। यहां जक्कुरु के अमृतहल्ली में स्थित यह अकादमी 2200 वर्गफुट में फैली हुई है और इसमें एक बेजोड़ माहौल है जो गायन और वाद्य सहित संगीत सीखने के लिए बेहद अनुकूल है। इसके शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्श्व गायिका नागरंजिनी रघु और विशिष्ट अतिथि के रूप में मुजिगल के संस्थापक डॉ. लक्ष्मीनारायण येलुरी उपस्थित थे।

500 से ज़्यादा छात्रों को समायोजित करने की क्षमता के साथ, अमृताहल्ली में संगीत अकादमी कई बैचों में पियानो, कीबोर्ड, गिटार, ड्रम, कर्नाटक वोकल्स, हिंदुस्तानी वोकल्स, वेस्टर्न वोकल्स, वायलिन और उकुलेले की शिक्षा प्रदान करेगी। संगीत अकादमी के शुभारंभ के बाद, उद्घाटन महीने के लिए, मुज़िगल सभी नामांकनों के साथ 1 महीने की निःशुल्क संगीत शिक्षा प्रदान कर रहा है।

जहरीली शराबकांड का 'राजनीतिकरण' कर रहे हैं अन्नाद्रमुक और भाजपा : द्रमुक

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक लाभ पाने के लिए कल्लाकुरिचि में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामला का राजनीतिकरण' करने की कोशिश कर रही हैं। पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन कल्लाकुरिचि का दौरा करेंगे।

द्रमुक संगठन सचिव आर.एस. भारती ने जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मुद्दे पर राज्य सरकार द्वारा उठाये गये कदमों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि उनकी पार्टी मामले से जुड़े तथ्यों और सरकार की कड़ी कार्रवाई के साथ लोगों के बीच जाएगी और अन्नाद्रमुक व भाजपा के दुष्प्रचार की निंदा करेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि दोनों दलों को मामले पर सरकार के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए।

नड्डा ने तमिलनाडु जहरीली शराब हादसे पर खरगे को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर तमिलनाडु में हाल ही में हुए जहरीली शराब हादसे पर उनकी पार्टी की उदासीन 'चुप्पी' पर सवाल उठाया। नड्डा ने खरगे को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु जहरीली शराब त्रासदी पूरी तरह से मानव जनित आपदा है और अगर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले 'इंडि' गठबंधन की सरकार और अवैध शराब माफियाओं के बीच सांठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी के बाद कल्लाकुरिची के करुणापुरम गांव में जलती चिताओं की भयावह तस्वीरों ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा, खरगे जी, जैसा कि आप जानते हैं कि करुणापुरम में अनुसूचित जाति की आबादी काफी अधिक है, जो तमिलनाडु में गरीबी और भेदभाव के कारण कई चुनौतियों का सामना करते हैं। मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा आई है तो आपके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साध रखी है।

उन्होंने कहा, ''कुछ मुद्दों पर हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की आवश्यकता है और एससी, एसटी समुदाय का कल्याण और सुरक्षा भी एक ऐसा ही मुद्दा है।''

नड्डा ने खरगे से कहा कि वह तमिलनाडु की द्रमुक सरकार पर सीबीआई जांच कराने और राज्य के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ितों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को 'उचित' तरीके से बढ़ाया जाए ताकि इन परिवारों को पर्याप्त सहयोग मिल सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, खरगेजी आज समय है कि 'न्याय' को लेकर कही गई बातों पर सही मायने में अमल किया जाए न कि इसे बस एक आकर्षक चुनावी नारे तक ही सीमित किया जाए।

राज्यपाल से कल्लाकुरिचि अवैध शराब कांड की सीबीआई जांच की मांग : अन्नामलाई

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई की अगुवाई में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को यहां राज्यपाल आर एन रवि से भेंटकर उनसे 53 लोगों की जान लेने वाली कल्लाकुरिचि अवैध शराब त्रासदी की सीबीआई जांच की मांग की। अन्नामलाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि इस त्रासदी के कारण 60 लोगों की जान गयी है। उन्होंने मद्यनिषेध एवं आबकारी विभाग के मंत्री एस मुथुस्वामी को इस प्रकरण के लिए 'जिम्मेदार' ठहराते हुए रवि से मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने का निर्देश देने की भी अपील की।

हडको लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
क्षेत्रीय कार्यालय - बेंगलूरु
ईमेल : bro@hudco.org

निविदा अधिसूचना

भारत सरकार का उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको), बेंगलूरु में एनजीवी-कोरमंगला, नंदिनी लेआउट और आरएमवी एक्सटेंशन में अपने स्टाफ क्वार्टरों में नवीनीकरण कार्य करने के लिए योग्य/प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.hudco.org पर जाएं। संपर्क के लिए नंबर 080-25587009/25582602. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23.07.2024 है।

वेबसाइट देखें : www.hudco.org और www.eprocure.gov.in

केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार
बीटीएम लेआउट, मडीवाला,बेंगलुरु - 560 068, कर्नाटक
फोन: +91 80 26282699 फैक्स: +91 80 26681511 ई-मेल: estab.csb@nic.in

सं. केरेबो-5(8)/2022-ES-II **भर्ती सूचना** दिनांक: 25.06.2024

पूरी तरह से अनुबंध के आधार पर जूनियर रिसर्च फेलो -1 के लिए वॉक-इन- इंटरव्यू क्रमशः 05.07.2024 को उपरोक्त पते पर में आयोजित किया जाएगा:

#	पद व परियोजना और वेतन	पदों की संख्या	अवधि तक	योग्यता	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार का समय
1	जेआरएफ (1): भारत में शहतूत रेशम उत्पादन प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन। वेतन/पारिश्रमिक: - रु.21000/- और स्वीकार्य मकान किराया भत्ता।	1	जून 2024 या परियोजना का समापन या जो भी पहले हो।	कृषि/रेशम उत्पादन/ जीव विज्ञान में पूर्णकालिक एम.एससी, किसान स्तर पर कोबोतूल बॉक्स का उपयोग करते हुए सर्वेक्षण/डेटा संग्रह/ मूल्यांकन का सामान्य ज्ञान ।	05.07. 2024	10:00 पूर्वाह्न (उपस्थिति का समय: 09:30 पूर्वाह्न)

विवरण के लिए, हमारी वेबसाइट www.csb.gov.in देखें ।

Sd/-
सक्षम प्राधिकारी

सीबीसी: 41109/12/0001/2425

अदालत ने पॉक्सो मामले में दोषी की उम्रकैद की सजा कम की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के एक मामले में दोषी की सजा उम्रकैद से घटाकर 10 वर्ष कारावास कर दी और जोर देकर कहा कि अधिकतम सजा देने के लिए उचित कारण होना बेहद जरूरी है। न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने चिकमगलूरु के रहने वाले 27 वर्षीय दोषी की अपील को आंशिक रूप से मंजूर कर लिया। हालांकि अदालत ने उसकी जुर्माना राशि को पांच हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया।

जून 2016 में दोषी ने अपने पड़ोस में रहने वाली नाबालिग लड़की से दोस्ती कर उसका बार-बार यौन उत्पीड़न किया। लड़की की मां ने दिसंबर 2016 में उस समय शिकायत दर्ज कराई, जब उन्हें पता चला कि उनकी बेटी गर्भवती हो गयी है। डीएनए जांच में आरोपी के जैविक पिता होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की और आरोपपत्र दाखिल किया।

चिकमगलूरु शहर की एक विशेष अदालत ने 11 जून, 2018 को आरोपी को दोषी करार देते हुए पॉक्सो अधिनियम की धारा छह के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उस पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। दोषी ने इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए दलील दी कि लड़की की उम्र उचित दस्तावेजों के साथ साबित नहीं की गई। खंडपीठ ने मामले की समीक्षा करने के बाद पाया कि मौखिक गवाही से लड़की की सहमति का पता चलता है हालांकि घटना के समय उसकी वास्तविक आयु 12 वर्ष होने के कारण यह कानूनी रूप से अप्रासंगिक है। खंडपीठ ने कहा कि सहमति होना पॉक्सो अधिनियम की धारा छह के तहत अधिकतम सजा के प्रावधान का विरोध करता है। खंडपीठ ने कहा कि इस कारण यह निष्कर्ष निकलता है कि विशेष अदालत के पास अधिकतम आजीवन कारावास की सजा देने के लिए पर्याप्त कारण नहीं हैं। खंडपीठ के मुताबिक, अपराध की तिथि पर लागू कानून के अनुसार पॉक्सो अधिनियम की धारा छह के तहत न्यूनतम 10 वर्ष के सश्रम कारावास और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। अदालत ने फैसला सुनाया कि अधिकतम सजा देने के लिए वैध कारणों की आवश्यकता होती है, जो विशेष अदालत के फैसले में अनुपस्थित है। नतीजतन, अदालत ने अपने हालिया आदेश में सजा को संशोधित कर 10 वर्ष के कारावास में बदल दिया।

विद्यार्थियों को दिया जाएगा प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य में विद्यार्थियों को निशुल्क एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण की पहल की जायेगी और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग तथा रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वय से इसे क्रियान्वित किया जाएगा। मिश्र ने सोमवार को राजभवन में रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक मे संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में शीघ्र कार्य प्रारंभ होगा। इसके लिए हर जिले से चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 10 मास्टर ट्रेनर्स की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में राज्य के 33 जिलों के अलावा नए 17 जिलों में रेडक्रॉस सोसायटी गठन के लिए प्रभावी कार्य किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 31 जुलाई तक आवश्यक रूप से कार्यवाही कर ली जाए। उन्होंने जिलों में वृक्षारोपण के लिए भी रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सक्रिय भूमिका निभाने और लगाए जाने वाले पौधों के संरक्षण के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने रेडक्रॉस के जरिए अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने, चिकित्सा उपकरणों में सहयोग के लिए जन सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान के लिए आम जन को जागरूक करने के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यवाही हो। इस पर बताया गया कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जल्द विद्यार्थियों के लिए इसे लागू किया जाएगा।

मिश्र ने बैठक में टीबी मुक्त राजस्थान के लिए किए जाने वाले कार्यों में रेडक्रॉस की भागीदारी की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने और आम जन की भागीदारी से कार्य किया जा रहा है। बैठक में राज्यपाल ने राजस्थान को एनीमिया मुक्त किए जाने के लिए भी प्रभावी कार्य किए जाने के निर्देश दिए। इस पर बताया गया कि राजस्थान और विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया बीमारी से मुक्त करने की पहल की जा रही है। राज्यपाल ने जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया रोगियों के बारे में नियमित जानकारी लेकर उनके लिए विशेष रूप से कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में राज्यपाल ने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और स्क्रीनिंग के लिए किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मानव कल्याणकारी कार्यों के साथ चिकित्सा और सेवा कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाइ जाए। रेडक्रॉस सदस्यों की संख्या में वृद्धि कर इससे जुड़ी गतिविधियों का विस्तार किया जाए।

इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक सहभागिता से राज्य में मानव कल्याण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के सुधारने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा स्वच्छता अभियान के साथ पौधा रोपण, रक्तदान, अंगदान और देहदान के लिए रेडक्रॉस के साथ मिलकर अधिकाधिक कार्य किए जाएंगे। इससे पहले इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राजस्थान शाखा के चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला ने रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी।

इस मौके मिश्र और खींवसर ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की राजस्थान शाखा की वेबसाइट का लोकार्पण भी किया। इसमें राजस्थान में रेडक्रॉस द्वारा किए जा रहे कार्यों के साथ ही इससे जुड़ने वाले सदस्यों और भामाशाहों द्वारा दिए जाने वाले दान की ऑनलाइन व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई है।

दीया कुमारी आज सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का करेंगी शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी 36.62 करोड़ लागत से बन रहे राजधानी जयपुर में सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट का मंगलवार को शिलान्यास करेंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत सीकर रोड पर मुरलीपुरा से द्रव्यवती नदी तक नये नाले का निर्माण किया जायेगा। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर सीकर रोड पर मानसून में पानी के भराव की समस्या से पूरी तरह से निजात मिल पायेगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अगले साल जून महीने तक सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया जायेगा। श्रीमती दीया कुमारी के सतत प्रयासों के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 26.52 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर दिये गये है। सीकर रोड ड्रेनेज प्रोजेक्ट के पहले चरण में 16.09 करोड़ की लागत से सीकर रोड के पूर्वी तरफ तथा 20.53 करोड़ की लागत से सड़क की पश्चिमी दिशा में नाले का निर्माण किया जायेगा। दूसरे चरण में वीकेआई से सेन्ट्रल स्पाईन होते हुए बड़ी–खेड़ा और मुरलीपुरा में 19.21 करोड़ की लागत से नालों का निर्माण कराया जायेगा। इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में 13.29 करोड़ की लागत से बाईपास रोड और खेतान अस्पताल के पीछे नाले का निर्माण कराया जायेगा।

श्रीमती दीया कुमारी ने कहा कि जनता से जितने भी वादे किये है उन्हें समयबद्ध तरीक़े से पूरा करने के लिए वह कटिबद्ध है। उन्होंने विद्याधरनगर से विधायक बनने के बाद इलाक़े में जल भराव की ज्वलंत समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयास शुरु कर दिये थे, जो अब रंग लाने लगे है। उनके विधायक बनने के बाद विद्याधरनगर क्षेत्र में कई बड़े प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए है। इनमें सेतूबंधन योजना के तहत 86.89 करोड़ लागत से नाड़ी का फाटक पर फ़ोरलेन ओवर ब्रिज, सीतावाली फाटक और बनाड फाटक के बीच 14.37 करोड़ की लागत से आरयूबी, 200 करोड़ की लागत से रोड नंबर 14 से टोडी मोड़ तक हाईवे के दोनों ओर सर्विस लेन, नींदड मोड़ और टोड़ी मोड़ पर अंडरपास का निर्माण शामिल है।

इलाक़े में पीने की पानी की समस्या को हल करने के लिए बीसलपुर योजना के तहत बालाजी नगर, बृज कॉलोनी, हनुमान मंदिर मांचेडा, कबीर आश्रम, निर्मल विहार, लोहा मंडी, पवनपुरी वेस्ट सहित कुल आठ उच्च जलाशयों का 15 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। एक उच्च जलाशय जलदाय विभाग द्वारा बढ़ारना में कराया जाएगा। विद्याधर इलाक़े में पेयजल आपूर्ति के लिए 60 करोड़ के लिए विभिन्न वार्डों में पाईपलाइन परियोजनाओं को भी स्वीकृत किया गया है। पीने के पानी की समस्या के त्वरित निवारण के लिए इलाक़े में 30 ट्यूबवेल का निर्माण भी कराया जाएगा। बजट घोषणा के अनुसार विद्याधर नगर नगर में पांच करोड़ की सड़के स्वीकृत किया गया है। इसके साथ दो करोड़ की लागत से वीकेआई और झोटवाडा इंडस्ट्रियल एरिया में 12 सड़के, नगर निगम के माध्यम से सात करोड़ लागत की 29 सड़के और सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से 12 करोड़ की लागत से 36 सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है।

दवाओं का प्रोटोकॉल के अनुसार भण्डारण करने के नेहा गिरि ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर निरीक्षण का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने सांगानेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।

श्रीमती गिरि ने निरीक्षण के दौरान दवाओं के कार्टन खुले में रखे होने पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसएस दायमा को वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा संबंधित अधिकारी या कार्मिक की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्पि भाव के साथ मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का संचालन कर रही है। ऐसे में दवाओं का भण्डारण एवं दवाओं की उपलब्धता में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो।

प्रबंध निदेशक ने फार्मासिस्ट एवं अन्य कार्मिकों से दवाओं की उपलब्धता, मांग एवं आपूर्ति की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अस्पताल में दवाओं की शत–प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित हो। दवाओं की मांग के लिए रियल टाइम इंडेंट जारी किया जाए। मांग और आपूर्ति में किसी तरह का अंतर नहीं रहे। औषधि भण्डार में नियमानुसार दवाओं का बफर स्टॉक रखा जाए।

श्रीमती गिरि ने कहा कि भण्डार कक्ष में दवाओं का भण्डारण निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाए। भण्डार कक्ष का तापमान नियमानुसार हो, ताकि दवाओं की गुणवत्ता प्रभावित नहीं हो। उन्होंने कहा कि एक्सपायर हो चुकी दवाओं तथा बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण पूरी प्रक्रिया अपनाते हुए किया जाए। साथ ही, दवाओं का उपयोग इस तरह सुनिश्चित किया जाए कि उनके एक्सापयर होने की स्थिति नहीं आए। उन्होंने सभी दवा वितरण काउंटरों का निरीक्षण करने के दौरान सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं की उपलब्धता, इंडेंट जारी करने की स्थिति एवं आपूर्ति के बारे में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

श्रीमती गिरि ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाओं के भण्डारण के लिए स्थान एवं संसाधनों की उपलब्धता को लेकर अधिकारियों की एक टीम पुनः स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करेगी। यह टीम तात्कालिक आवश्यकताओं का आकलन कर दवाओं के समुचित भण्डार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी।

राजस्थान के कई हिस्सों में जारी रहेगी बारिश

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जो सोमवार तक जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में नागौर में 68 मिमी बारिश और टोंक में 30 मिमी बारिश दर्ज की गई। स्थानीय मौसम विभाग कार्यालय के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि सोमवार को जोधपुर, उदयपुर, कोटा, जयपुर और भरतपुर के कुछ इलाकों में बारिश जारी रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि उदयपुर, कोटा, जोधपुर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में मानसून पूर्व की बारिश जारी रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार से गरज के साथ बारिश में वृद्धि देखने को मिल सकती है। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को कई स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि अगले 72 घंटों के दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले 72 घंटों में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है।

अदालत ने नीट-स्नातक परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा (नीट)–स्नातक में अनियमितताओं के बीच परीक्षा को रद्द करने संबंधी याचिकाओं पर सोमवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अदालत ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी।

उच्चतम न्यायालय में आठ जुलाई को नीट–स्नातक परीक्षा 2024 को रद्द करने और अदालत की निगरानी में जांच कराने का अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई होनी है, जिसके दो दिन बाद राजस्थान उच्च न्यायालय इस याचिका पर सुनवाई करेगा। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन ने एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील रामप्रताप सैनी ने बताया कि अदालत ने मामले को गंभीर मानते हुए 10 जुलाई को सुनवाई निर्धारित की है।

उन्होंने बताया कि दिन के समय उच्च न्यायालय में चार याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं ने पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं का हवाला देते हुए प्रवेश परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराने का अनुरोध किया गया।

राज्य सरकार अपराधमुक्त राजस्थान बनाने के लिए कृतसंकल्प : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढम ने राज्य सरकार की मंशानुरूप अपराध मुक्त राजस्थान के ध्येय को साकार करने के उद्देश्य से भरतपुर में अटलबंध थाने का औचक निरीक्षण कर थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप अपराध के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेन्स की नीति है। अपराध पर अंकुश लगाने के लिये अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुये सलाखों के पीछे धकेलने के लिये राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल की सरकार बनने के बाद राजस्थान में अपराध का ग्राफ तेजी से घटा है, गैंगवार की वारदातों पर रोक लगी है। साथ ही साईबर अपराध के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही की जा रही है, गैंगस्टर राज्य छोडकर प्रदेश के बाहर भाग रहे हैं साथ ही संगठित अपराधों व हत्या जैसे संगीन मामलों में लगातार कमी आई है। उन्होंने कहा कि अपराध के खिलाफ पुलिस प्रशासन में सुधार करते हुये आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिस्टम की खामियों को दूर करते हुये सरकार व पुलिस संयुक्त प्रयास के साथ अपराध के खिलाफ मुश्तैदी से खडी है।

निरीक्षण के दौरान गृह राज्य मंत्री ने पुलिस के उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुलिस सिस्टम में आवश्यक सुधार करते हुये अपराधियों के खिलाफ सघन अभियान चलायें। उन्होंने कहा कि विभाग में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों के कार्यों को सराहा जायेगा वहीं लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। उन्होंने शहरी क्षेत्र के होटलों एवं गैस्ट हाउसों पर कडी निगरानी रखने के निर्देश प्रदान किये।

गृह राज्य मंत्री ने निरीक्षण के दौरान कार्मिकों की उपस्थिति पंजीका की जॉच कर गश्त में लगे कार्मिकों की उपस्थिति की जानकारी लेते हुये मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश प्रदान किये। गश्त कार्य में लापरवाही पाये जाने पर गृह राज्य मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुये उच्च अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्मिकों की ड्यूटी के समय को कार्मिक के नाम के साथ ही रजिस्टर में दर्ज करें। उन्होंने केस रजिस्टर की जॉच कर उच्च अधिकारियों एवं थाना इंजार्च से लम्बित प्रकरणों के बारे में जानकारी लेते हुये थाने में 2007, 2009 एवं 2011 तक के लम्बित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुये इनका समयबद्व निस्तारण करने के निर्देश दिये।

पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार को दिया जाएगा बढ़ावा : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि पशुओं एवं पशुपालकों के कल्याण के प्रति सरकार की समर्पित सोच और नीतियों के कारण आज पशुपालन रोजगार का एक जरिया बनकर उभर रहा है। राज्य में लाखों लोगों को कृषि एवं पशुपालन से रोजगार प्राप्त हो रहा है।

पशुपालन मंत्री ने सोमवार को राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के तत्वावधान में 15 तरल नत्रजन परिवहन वाहनों की विधिवत पूजा कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तरल नत्रजन पशु नस्ल सुधार के लिए किए जाने वाले कृत्रिम गर्भाधान में काम आता है।

इस अवसर पर कुमावत ने कहा कि भारत सरकार की शत प्रतिशत वित्त पोषित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत 15 जिलों को नत्रजन परिवहन वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिससे तरल नत्रजन के वितरण की व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि इन वाहनों में पहली बार जारों को उठाने और रखने के लिए पूली व्यवस्था करवाई गई है जिससे विभागीय कर्मचारियों को अधिक वजन उठाने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। साथ ही जार के खराब होने की संभावना भी कम रहेगी।

उन्होंने बताया कि तरल नत्रजन के भण्डारण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए जाने के लिए वाहन आपूर्ति के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार राज्य के 13 जिलों में 3 हज़ार लीटर क्षमता के नवीन साइलों की भी स्थापना की कार्यवाही की जा रही है। कुमावत ने कहा कि बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार गौवंश की सेवा के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि आने वाले बजट सत्र में पशुओं और पशुपालकों के कल्याण के लिए नई और अभिनव योजनाओं को स्वीकृङ्गति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। जिसके लिए ग्रामीण स्तर पर पशुपालकों, अधिकारियों और अन्य लाभार्थियों से निरंतर संवाद किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 15 जिलों को पूर्व में उपलब्ध करवाए गए तरल नत्रजन परिवहन वाहनों की 15 वर्ष की अवधि पूरी हो गई थी इसीलिए इन 15 जिलों भीलवाड़ा, नागौर, कोटा, कुचामन सिटी, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, बूंदी, झालावाड़, पाली, जालौर, सिरोही, चुरू, जयपुर, दौसा और झुंझुनू को नए वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वाहनों का क्रय भारत सरकार की 100 प्रतिशत वित्त पोषित योजना के तहत स्वीकृत राशि से किया गया है।

लड़कों के चिढ़ाने से परेशान बुजुर्ग ने किया सुसाइड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के लोहावट में सोशल मीडिया पर बने एक मीम (वीडियो) और लोगों की असंवेदनशीलता ने बुजुर्ग की जान ले ली। कुछ लड़कों के चिढ़ाने से परेशान होकर बुजुर्ग ने रविवार रात 8:20 बजे कई लोगों के सामने पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। बाड़मेर के चौहटन थाना इलाके में रहने वाले बुजुर्ग प्रतापराम (53) लोहावट में कबाड़ी का काम करते थे।

कुछ दिन पहले एक युवक ने जापानी युवती के साथ मिलकर बुजुर्ग का वीडियो बनाया और इंस्टाग्राम पर डाल दिया। कैप्शन लिखा– 'भंगार लेवणो है कांई (कबाड़ लेना है क्या)'।

बुजुर्ग का यह वीडियो तेजी से शेयर हुआ। इसके बाद स्थानीय लोग और युवक बुजुर्ग को 'भंगार लेवणो है कांई' कहकर चिढ़ाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने ऑफ कैमरा बताया– इस दिल दहला देने वाली घटना से पहले जब बुजुर्ग पेड़ पर चढ़कर फंदा लगाने की तैयारी कर रहे थे। तब भी कुछ युवक बुजुर्ग को उस वीडियो को लेकर परेशान कर रहे थे और उन्हें चिढ़ा रहे थे। फंदा लगाने के दौरान बुजुर्ग कह रहे थे कि अब ले लेना मजे और इसके बाद फंदे पर लटक गए।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद लोहावट पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग का शव नीचे उतारा। जानकारी के अनुसार, दो–तीन महीने पहले जापानी पर्यटक और यूट्यूबर मेगुमि मारवाड़ घूमने आई थीं। तब उन्होंने अपने साथियों के साथ तेज गर्मी में ठेला चला रहे बुजुर्ग प्रतापराम को मदद के लिए कहा था। इस दौरान बुजुर्ग ने मदद लेने के बजाय उन्हें कहा था कि आपको क्या करना है? भंगार लेना है क्या?

आमजन के हित से जुड़े विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें : विश्नोई

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री व सांचौर जिला प्रभारी मंत्री के.के.विश्नोई की अध्यक्षता में सोमवार को डीओआईटी परिसर में जिला प्रशासन की विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान सांचौर जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन से जुड़े समस्त अधिकारी आमजन के हित से जुड़े विकास कार्यों को नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें।

उन्होंने पेयजल एवं नर्मदा नहर परियोजना के अधिकारियों से जिले में किए जा रहे जल परिवहन कार्यों, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में दी जा रही जलापूर्ति, अमृत 2.0 योजनाए नर्मदा नहर परियोजना के तहत एफआरडीआर सीलूजैसलाभाटकी प्रोजेक्ट कार्यों, डिग्गी व स्प्रिंकलर सिस्टम के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में पानी चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी का सहारा लेगी यूपीएससी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीट एवं नेट परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़े विवादों के बीच देश की प्रमुख भर्ती संस्था संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी विभिन्न परीक्षाओं में धोखाधड़ी और छद्म उम्मीदवारों को रोकने के लिए चेहरे की पहचान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल करने का निर्णय किया है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के अनुभवी उपक्रमों से बोलियां आमंत्रित करने के लिए एक निविदा जारी की है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान उपयोग किए जाने वाले दो तकनीकी समाधान – ''आधार कार्ड आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण, अभ्यर्थियों की चेहरे की पहचान और ई-प्रवेश पत्रों की क्यूआर कोड स्कैनिंग'' तथा ''कृत्रिम बुद्धिमता-आधारित सीसीटीवी निगरानी सेवा'' – विकसित किए जा सकें।

यूपीएससी एक संवैधानिक निकाय है, जो 14 प्रमुख परीक्षायें आयोजित करता है, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों का चयन करने के लिए प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा भी शामिल है।

यूपीएससी इसके अलावा केंद्र सरकार के ग्रुप 'ए' और ग्रुप 'बी' पदों पर भर्ती के लिए हर साल कई भर्ती परीक्षाएं और साक्षात्कार भी आयोजित करता है।

तीन जून के निविदा दस्तावेज में कहा गया, यूपीएससी अपनी परीक्षाओं को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित करने को बहुत महत्व देता है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के मद्देनजर आयोग अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक विवरणों का मिलान करने तथा धोखाधड़ी, जालसाजी, अनुचित साधनों और अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने जैसे कृत्यों से रोकने के लिए परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी करने के लिए नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का इरादा रखता है।

इस कदम का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को मजबूत करना और अभ्यर्थियों द्वारा कदाचार की संभावना को समाप्त करना है।

निविदा दस्तावेज के अनुसार, चयनित सेवा प्रदाता यूपीएससी द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा का इस्तेमाल परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के आधार-आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण और चेहरे की पहचान के लिए करेगा।

आयोग ने कहा कि चेहरे की पहचान के लिए दो तस्वीरों का मिलान किया जाएगा, जिनमें एक ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान दी गई और दूसरी परीक्षा के दिन ली गई तस्वीर का इस्तेमाल किया जाएगा।

यूपीएससी ने कहा कि उसने देशभर में विभिन्न केंद्रों/स्थलों पर आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में शामिल अभ्यर्थियों और तैनात अन्य कर्मियों की विभिन्न गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रिकॉर्डिंग और लाइव प्रसारण प्रणालियों के साथ सीसीटीवी/वीडियो निगरानी लागू करने का निर्णय लिया है।

नीट-यूजी और यूजीसी-नेट विवादः संसद तक मार्च के दौरान दो दर्जन से अधिक छात्र हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीट-यूजी में अनियमितताओं और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के खिलाफ सोमवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे दो दर्जन से अधिक छात्रों को हिरासत में ले लिया गया जिनमें से कुछ कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई के सदस्य भी थे।

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत के दिन संसद तक जुलूस निकालने की योजना बनाई थी।

बड़ी संख्या में छात्र तख्तियां और एनएसयूआई के झंडे लेकर जंतर-मंतर पर 'छात्र संसद घेराव' के लिए एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस ने छात्रों को जुलूस निकालने से रोकने के लिए इलाके में बैरिकेड लगा दिए। मौके पर अर्धसैनिक बलों सहित दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई थी।

मीडिया के साथ साझा किए गए विरोध प्रदर्शन के दृश्यों के अनुसार कुछ छात्रों ने बैरिकेड को पार करने की कोशिश की। एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि मार्च के लिए अनुमति नहीं दी गई थी, इसलिए दिल्ली पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर विभिन्न पुलिस थानों में ले गई। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने कहा था कि इस तरह के किसी जुलूस को निकालने की अनुमति नहीं दी गई है और ऐसा करने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को रद्द करने की मांग के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि गड़बड़ी की घटनाएं स्थानीय या इक्का दुक्का थीं और उचित तरीके से परीक्षा पास करने वाले लाखों अभ्यर्थियों के करिअर को जोखिम में डालना ठीक नहीं था।

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित अनियमितताओं के संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

यूजीसी-नेट-2024 परीक्षा 18 जून को देशभर में दो पाली में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की गई थी।

प्रधानमंत्री को 'नीट' मुद्दे पर बोलना चाहिए था : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद सत्र के पहले दिन विपक्ष पर हमला करने के बजाय 'नीट' विवाद पर बोलना चाहिए था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विपक्ष पर हमला करना माननीय प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है और हम यह उम्मीद नहीं करते कि हालिया चुनावों में भाजपा की करारी हार से इसमें कोई बदलाव आएगा, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री के लिए यह उचित होता कि वह उन युवाओं के लिए कुछ शब्द बोलते, जिनके लिए नीट घोटाला काफी मायने रखता है।

अब्दुल्ला ने कहा, परीक्षा पे चर्चा छात्रों के हितों के प्रति एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता है। उन्होंने 18वीं लोकसभा के पहले दिन प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के जवाब में यह बात कही। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में कहा, लोग विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद करते हैं लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है। मोदी ने कहा, भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है और लोग नारे नहीं, बल्कि ठोस काम चाहते हैं। वे संसद में चर्चा चाहते हैं व्यवधान नहीं।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी उम्मीद जताई कि संसद सदस्य दलगत भावना से ऊपर उठेंगे और सदन में 'नीट' का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सैकड़ों निर्वाचित सांसद आज शपथ लेंगे। वहीं देशभर में लाखों छात्र, जिन्होंने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए दिन-रात मेहनत की है, असहाय होकर देख रहे हैं कि उनकी मेहनत बर्बाद हो रही है। महबूबा ने कहा, आशा है कि सभी सांसद दलगत भावना से ऊपर उठकर हमारी युवा पीढ़ी के लिए आवाज उठाएंगे, जिन्हें अपना भविष्य बहुत अंधकारमय नजर आ रहा है। सीबीआई ने पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित गड़बड़ी के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज की है।

अब्दुल्ला ने आज शपथ लेने वाले संसद सदस्यों को बधाई देते हुए यह भी कहा, यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि उत्तर कश्मीर के लोगों ने इंजीनियर रशीद को चुना है। उन्हें शपथ लेने और अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जाना चाहिए। रशीद ने हालिया लोकसभा चुनाव में अब्दुल्ला को दो लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। अब्दुल्ला ने कहा, जेल में बंद उन लोगों के साथ हो रहे अन्याय को जानना भी समान रूप से जरूरी है, जो चुनाव में भाग लेने में असमर्थ हैं या भाग लेने को इच्छुक नहीं हैं।

'नीट में भ्रष्टाचार' चुनाव से जुड़ा है, शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना होगा : राजद सांसद मनोज झा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने सोमवार को दावा किया कि 'नीट में भ्रष्टाचार' का मामला चुनावों से जुड़ा हुआ है और प्रश्नपत्र लीक में शामिल लोगों और जद (यू) व भाजपा नेताओं के बीच निकटता है। राजद के राज्यसभा सदस्य झा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति समर्थन जताया। झा ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान कहां हैं, जिन्होंने इस (नीट) परीक्षा को क्लीन चिट दी थी। आप छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ होने के बावजूद शिक्षा मंत्री ने क्लीन चिट दे दी और कहानी गढ़ी कि वे उच्चस्तरीय समिति बना रहे हैं। पर्याप्त सबूत मौजूद हैं, फिर भी दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

राजद नेता ने कहा कि परीक्षा रद्द कर दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आप लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) एक धोखाधड़ी है...इस एनटीए को बंगाल की खाड़ी में फेंक देना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए झा ने कहा, हमने एक राष्ट्र, एक परीक्षा की कीमत चुकाई है...आप एक राष्ट्र, एक चुनाव कराना चाहते हैं, आप एक परीक्षा भी नहीं करा सकते। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना होगा। राजद नेता ने कहा, इस्तीफा होगा और परीक्षाएं रद्द होंगी क्योंकि संसद को संभालना आसान है, लेकिन सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन के लिए उतरे लोगों को संभालना आसान नहीं होगा। उन्होंने इसके लिए कृषि कानूनों के मामले का भी जिक्र किया, जिन्हें विरोध-प्रदर्शन के बाद सरकार ने रद्द कर दिया था। झा ने आरोप लगाया, नीट का यह भ्रष्टाचार भी चुनावों से जुड़ा हुआ है। इससे अर्जित धन से चुनाव लड़े गए हैं। प्रश्नपत्र लीक के दोषियों को बचाया जा रहा है।

भाजपा को अब कोई समर्थन नहीं : पटनायक ने बीजद के राज्यसभा सदस्यों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को अपनी पार्टी के नौ राज्यसभा सदस्यों के साथ बैठक की और उनसे 27 जून से शुरू होने वाले संसद के ऊपरी सदन के आगामी सत्र के दौरान एक ''जीवंत और मजबूत'' विपक्ष की भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में पटनायक ने सांसदों से राज्य के हितों से संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से उठाने को भी कहा।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा में पार्टी के नेता सस्मित पात्रा ने कहा, इस बार बीजद सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक ही सीमित नहीं रहेंगे, अगर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करती है तो वे आंदोलन करने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा को विशेष दर्जा देने की मांग उठाने के अलावा बीजद सांसद राज्य में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक शाखाओं की कम संख्या का मुद्दा भी उठाएंगे।

पात्रा ने कहा, पिछले 10 सालों से ओडिशा की कोयला रॉयल्टी में संशोधन की मांग को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज किया है। इससे राज्य के लोगों को भारी नुकसान हो रहा है और वे अपने हक के हिस्से से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में नौ सांसद मजबूत विपक्ष के रूप में काम करेंगे। जब पात्रा से पूछा गया कि क्या बीजद भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को मुद्दा आधारित समर्थन देने के अपने पहले के रुख पर कायम रहेगी, तो उन्होंने कहा, अब भाजपा को कोई समर्थन नहीं, केवल विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। हम ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

ममता ने प्रधानमंत्री से नीट को खत्म करने और पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख आग्रह किया कि 'पेपर लीक' विवाद को देखते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करने और राज्यों द्वारा परीक्षा आयोजित करने की पुरानी प्रणाली बहाल करने पर विचार किया जाए।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में बनर्जी ने नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। उन्होंने कहा, मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप इस पर विचार करें और राज्य सरकारों द्वारा इस परीक्षा को आयोजित करने की पुरानी प्रणाली को बहाल करने तथा नीट को खत्म करने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

उन्होंने यह भी कहा, इस कदम से स्थिति को सामान्य करने में मदद मिलेगी और छात्रों में विश्वास भी बढ़ेगा।

मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष का चुनाव 23 जुलाई को होगा

मुंबई/भाषा। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने सोमवार को बताया कि उसके नए अध्यक्ष का चुनाव 23 जुलाई को होगा। इस महीने की शुरुआत में एमसीए के पूर्व अध्यक्ष अमोल काले का निधन हो गया था।

काले टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान का मैच देखने न्यूयॉर्क गए थे। इस 47 साल के खेल प्रशासक का निधन नौ और 10 जून के बीच रात को दिल का दौरा पड़ने से हो गया था। वह भारत के पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल को पछाड़कर अक्टूबर 2022 में एमसीए के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। अध्यक्ष के रिक्त पद को भरने के लिए एमसीए ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जिसके अनुसार 'सदस्य क्लबों और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों' के प्रतिनिधियों के नाम आमंत्रित करने के लिए 25 जून से दो जुलाई के बीच की अवधि रखी गई है। निर्वाचन अधिकारी जे एस सहारिया ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि नामांकन चार से 10 जुलाई तक दक्षिण मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एमसीए लाउंज में निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच दाखिल किए जा सकते हैं।

नामांकन की जांच 11 जुलाई को होगी जिसमें उन लोगों को भाग लेना होगा जिनके नाम प्रस्तावित और अनुमोदित किए गए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वैध उम्मीदवारों की घोषणा उसी दिन की जाएगी। इसमें कहा गया है कि 16 जुलाई को नामांकन वापस लेने के बाद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची की घोषणा की जाएगी। मतदान 23 जुलाई को होगा और परिणाम भी इसी दिन जारी किए जायेंगे।

कुकी-जो समुदाय ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में समाधान की मांग को लेकर रैलियां निकालीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चुराचांदपुर/इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कुकी-जो समुदाय के हजारों लोगों ने हिंसा प्रभावित राज्य में समाधान और उनके लिए अलग प्रशासन की मांग को लेकर सोमवार को रैलियां निकालीं। उन्होंने पड़ोसी देश म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द किए जाने का भी विरोध किया।

केंद्र सरकार ने फरवरी में उत्तर पूर्व में पड़ने वाली भारत-म्यांमार सीमा के 1,600 किलोमीटर से अधिक हिस्से पर बाड़ लगाने का फैसला किया था और इसी के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को समाप्त कर दिया था। पूर्वोत्तर के चार राज्य– अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और नगालैंड म्यांमार के साथ सीमा साझा करते हैं। रैली के बाद, कुकी-जो समुदाय के लिए राजनीतिक समाधान की मांग करते हुए एक ज्ञापन चुराचांदपुर के डिप्टी कमिश्नर धरुण कुमार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। स्वदेशी जनजातीय नेता मंच (आईटीएलएफ) द्वारा आयोजित इस मार्च में शामिल लोगों ने कोई राजनीतिक समाधान नहीं, तो कोई शांति नहीं जैसे नारे लगाए। उन्होंने चुराचांदपुर जिले में पब्लिक ग्राउंड से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित शांति ग्राउंड तक मार्च निकाला। सैकोट से भाजपा विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए सरकार को मुद्दों के समाधान में सीधे तौर पर शामिल होना चाहिए।

मोदी सरकार ने 'कुप्रबंधन' से छोटे व्यवसायों और अनौपचारिक क्षेत्र को बर्बाद कर दिया: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण' जीएसटी और आर्थिक 'कुप्रबंधन' जैसे कदमों से छोटे व्यवसायों और अनौपचारिक क्षेत्र को बर्बाद कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को प्रचार-प्रसार पर ध्यान देने के बजाय 'आर्थिक गड़बड़ी' की वास्तविकता की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार द्वारा नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण जीएसटी और महामारी के दौरान कुप्रबंधन के जरिये किए गए हमलों ने हमारे छोटे व्यवसायों, एमएसएमई और अनौपचारिक क्षेत्र की इकाइयों को बर्बाद कर दिया है। अनिगमित क्षेत्र में पिछले सात वर्षों में 54 लाख नौकरियां खत्म हो गई हैं! मोदी सरकार का अपना आंकड़ा हमें यह बताता है। उन्होंने दावा किया कि तथ्य यह है कि मोदी सरकार के 10 साल में 2.5 करोड़ एमएसएमई बंद हो गए और 72% एमएसएमई जो 12 करोड़ नौकरियां प्रदान करते हैं, उनमें शून्य वृद्धि देखी गई। खरगे ने कहा, कई जीएसटी स्लैब ने हमारे एमएसएमई को पंगु बना दिया है। ऐसे छोटे व्यवसायों के लिए प्रोत्साहन और जागरूकता की कमी ने इस तबाही को बढ़ा दिया है। कृषि क्षेत्र की कम से कम 35 वस्तुएं जिन पर जीएसटी लगाया गया है, उससे हमारे किसानों की आय कम हो गई है। आवश्यक वस्तुओं और खाद्य पदार्थों पर जीएसटी ने घरेलू बचत को 50 साल के निचले स्तर पर पहुंचा दिया है।

विपक्ष ने आपातकाल वाले बयान को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा, 'अघोषित आपातकाल' की याद दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी नेताओं ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''आपातकाल'' वाली टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार करते हुए उनकी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाया और कहा कि उसे मौजूदा मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 50 साल पहले के आपातकाल का जिक्र किया, लेकिन पिछले 10 वर्षों के उस 'अघोषित आपातकाल' को भूल गए जिसका जनता ने इस लोकसभा चुनाव में अंत कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में आपातकाल को लोकतंत्र पर लगा 'काला धब्बा' करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसकी 50वीं बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत न करे। प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी अपने रस्मी संबोधन में आज ज़रूरत से ज़्यादा बोले। इसे कहते हैं, रस्सी जल गई, बल नहीं गया। उन्होंने कहा, देश को आशा थी कि मोदी जी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ बोलेंगे। नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के बारे में युवाओं के प्रति कुछ सहानुभूति दिखाएंगे, पर उन्होंने अपनी सरकार की धांधली व भ्रष्टाचार के बारे में कोई ज़िम्मेदारी नहीं ली। हाल ही में हुई पश्चिम बंगाल की रेल दुर्घटना के बारे में भी मोदी जी मौन साधे रहे।

खरगे ने दावा किया, मणिपुर पिछले 13 महीनों से हिंसा की चपेट में है, पर मोदी जी न वहां गए और ना ही उन्होंने आज के अपने भाषण में ताज़ा हिंसा के बारे में कोई चिंता व्यक्त की है। असम व पूर्वोत्तर में बाढ़ हो, कमरतोड़ महँगाई हो, रुपए का गिरना हो, एग्जिट पोल-स्टॉक बाजार घोटाला हो– अगली जनगणना लंबे समय से मोदी सरकार ने लंबित रखी है, जातिगत जनगणना पर भी मोदी जी बिलकुल चुप थे।

लोस अध्यक्ष चुनावः भाजपा ने शुरू किया विचार-विमर्श, विकल्प तलाशने में जुटा विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार को लेकर अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है और राजनीतिक संदेश देने के इरादे से चुनावी मुकाबले की स्थिति पैदा कर सकता है। राजग ने अपनी पसंद के बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है क्योंकि वह अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है और विपक्ष को राजनीतिक हमला करने के किसी भी अवसर से वंचित करना चाहता है। सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक तेलुगु देशम पार्टी (देदेपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री के राममोहन नायडू ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित गठबंधन के नेता इस मामले पर निर्णय लेंगे। उनका कहना था कि उन्हें अभी किसी अंतिम निर्णय से अवगत नहीं कराया गया है। भाजपा के एक अन्य सहयोगी दल के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भाजपा नेतृत्व ने उनसे विचार-विमर्श किया है। उन्होंने विवरण बताने से इनकार कर दिया।

प्रधानमंत्री 'मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर, सिर्फ अपनी सरकार बचाने में व्यस्त : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह 'मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर हैं' तथा अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान पर हमला स्वीकार नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राजग के पहले 15 दिन: भीषण ट्रेन दुर्घटना, कश्मीर में आतंकवादी हमले, ट्रेनों में यात्रियों की दुर्दशा, नीट घोटाला, नीट-पीजी निरस्त, यूजीसी-नेट का पेपर लीक, दूध, दाल, गैस, टोल और महंगे, आग से धधकते

जंगल, जल संकट और लू के कारण मौतें। मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर नरेन्द्र मोदी बस अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी और उनकी सरकार का संविधान पर आक्रमण हमें लिए स्वीकार्य नहीं है और ये हम किसी हाल में होने नहीं देंगे। 'इंडिया' गठबंधन का मज़बूत विपक्ष अपना दबाव जारी रखेगा, लोगों की आवाज़ उठाएगा और प्रधानमंत्री को बिना जवाबदेही बच कर निकलने नहीं देगा। इससे पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह संविधान पर हमला कर रहे हैं। हम संविधान पर यह हमला नहीं होने देंगे। उनका यह भी कहना था, यह हमला हमें स्वीकार्य नहीं है। नई लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर लोकसभा कक्ष तक मार्च किया।

सुविचार

हमारा अंदाज कुछ ऐसा है, कि जब हम बोलते हैं तो बरस जाते हैं और जब हम चुप रहते हैं तो लोग तरस जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंटरनेट: दुरुपयोग पर सख्ती जरूरी

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने यह कहते हुए कड़वी हकीकत बयान की है कि इस केंद्रशासित प्रदेश में (कुछ लोगों की वजह से) इंटरनेट आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने का माध्यम बन रहा है। इंटरनेट एक ऐसा माध्यम है, जिसका सदुपयोग किया जाए तो यह कई फायदे लेकर आता है। अगर इसका दुरुपयोग किया जाए तो नुकसान भी बड़े पहुंचाता है। यह विज्ञान का ऐसा वरदान है, जो गलत हाथों में नहीं पड़ना चाहिए। जम्मू-कश्मीर ने आतंकवाद का बहुत दर्दनाक दौर देखा है। अब यहां शांति की पुनर्स्थापना हो रही है तो वह आतंकवादियों और अलगाववादियों की आंखों में खटक रही है। वे इंटरनेट को ऐसे हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर में अशांति का दौर फिर लौट आए। सुरक्षा बल इस बात से परिचित हैं, इसलिए इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर सावधानी बरती जा रही है। बेशक इंटरनेट पर लिखने, पढ़ने, बोलने, देखने ... की आज़ादी होनी चाहिए, लेकिन इसके पीछे कोई गलत मंशा नहीं होनी चाहिए। पिछले दशक के मध्य में जब सोशल मीडिया का तेजी से विस्तार हो रहा था, समान रुचि वाले लोग उस पर ग्रुप बनाकर बातचीत शुरू कर रहे थे, तब अलगाववादियों व आतंकवादियों के आकाओं के इशारे पर ऐसे ग्रुप भी बनाए गए और धड़ल्ले से चलाए गए, जिनमें भारत की एकता व अखंडता के खिलाफ बातें होती थीं। किशोरों व युवाओं को पत्थरबाजी के लिए उकसाने के वास्ते ग्रुप बनाए गए, जिनके नाम भी ऐसे रखे गए, जिन्हें पढ़कर यह आसानी से पता नहीं चलता था कि इनका मकसद पत्थरबाजी को बढ़ावा देना है। उन ग्रुप्स में मैसेज भी खास कोडवर्ड में डाले जाते थे, जिससे पकड़े जाने का खतरा कम होता था और संबंधित सोशल मीडिया मंच के नियमों के उल्लंघन से भी बच जाते थे। जब कभी सुरक्षा बलों का वाहन निकलता या कहीं मुठभेड़ होती तो उन ग्रुप्स में पोस्ट डाल दी जाती थी। उसके बाद पत्थरबाजों के उन्मादी झुंड निकल आते थे।

इंटरनेट के जरिए अलगाववाद व आतंकवाद फैलाने और उससे जुड़े लोगों के साथ सहानुभूति रखने के कई मामले सामने आ चुके हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें उच्च शिक्षित और तकनीकी दृष्टि से अधिक सक्षम युवा भी लिप्त पाए गए हैं। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्यबल ने बांग्लादेश के आतंकवादी संगठन से जुड़े होने के आरोप में जिस युवक को गिरफ्तार किया, वह कंप्यूटर विज्ञान का छात्र निकला! वह युवक पश्चिमी और पूर्वी बर्धमान जिले के युवाओं को आतंकवादी संगठन में भर्ती कराने की कोशिश कर रहा था। एनआईए ने साल 2016 में कांकसा इलाके से एक छात्र को गिरफ्तार किया था, जिस पर पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने का आरोप लगाया गया था। इस साल मार्च में आईआईटी-गुवाहाटी के दो छात्रों का कथित तौर पर आईएसआईएस के प्रति 'निष्ठा रखने' का मामला खूब चर्चा में रहा था। करीब दो दशक पहले यह तर्क दिया जाता था कि 'कुछ युवाओं के कट्टरपंथ और आतंकवाद से प्रभावित होने या इनके संगठनों में शामिल होने की बड़ी वजह इनका शिक्षा से दूर होना है ... ये कम पढ़े-लिखे होते हैं, लिहाजा कट्टरपंथी तत्त्व इन्हें आसानी से बरगला लेते हैं।' अब यह तर्क ग़लत सिद्ध होता जा रहा है। यह देखा गया है कि आईएसआईएस जैसे खूंखार आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए दुनियाभर से जो लोग गए, उनमें कई डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और अंग्रेजी समेत कई भाषाओं के जानकार थे! इसलिए यह कहना जरूरी है कि शिक्षा के साथ संस्कार होने चाहिएं। किताबी ज्ञान देने के साथ मानवता, करुणा और दया का पाठ भी पढ़ाना चाहिए। युवाओं को गुमराह करने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही इंटरनेट पर परोसी जाने वाली ऐसी हर सामग्री की निगरानी बढ़ानी चाहिए, जो देश की एकता, अखंडता और सद्भाव के लिए खतरा हो।

ट्वीटर टॉक

हमारी सरकार ने राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं संविधान केन्द्र बनाने का फैसला किया था जिससे राजस्थान में भी केरल जैसा लाइब्रेरी मूवमेंट चल सके और राजस्थान में बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सभी वर्गों में ज्ञान का प्रसार हो सके।

–अशोक गहलोत

भाजपा सरकार अकर्मण्यता एवं कुशासन का पर्याय बन चुकी है। चौपट कानून व्यवस्था, महिला अपराध, दलितों व आदिवासियों पर अत्याचार, परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, पानी-बिजली समेत हर मुद्दे पर सरकार विफल साबित हुई है।

–गोविंद सिंह डोटासरा

कल 25 जून हैं। जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा से समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है। कल 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर जो काला धब्बा लगा था, उसके 50 वर्ष हो रहे हैं

–नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

स्वावलंबी बादशाह

गुलाम-वंशीय नासिरुद्दीन बादशाह धर्मनिष्ठ था। आजीवन उसने राजकोष से एक भी पैसा न लेकर अपनी हस्तलिखित पुस्तकों से जीवन-निर्वाह किया। मुसलमान शासकों के रिवाज के विपरीत उसके एक ही पत्नी थी। घरेलू कार्यों के अलावा रसोई भी स्वयं बेगम को बनानी पड़ती थी। एक बार रसोई बनाते समय बेगम का हाथ जल गया तो उसने बादशाह से कुछ दिन के लिए रसोई बनाने के लिए नौकरानी रख देने की प्रार्थना की। मगर बादशाह ने यह कहकर बेगम की प्रार्थना अस्वीकार कर दी कि राजकोष पर मेरा कोई अधिकार नहीं है। वह तो प्रजा की ओर से मेरे पास धरोहर मात्र है। अपने कुटुंब के भरण-पोषण के लिए स्वयं कमाना चाहिए। जो बादशाह स्वावलंबी न होगा, उसकी प्रजा भी अकर्मण्य हो जायेगी। अतः मैं राजकोष से एक पैसा भी नहीं ले सकता और मेरे हाथ की कमाई सीमित है। उससे तुम्हीं बताओ, नौकरानी कैसे रखी जा सकती है?

सामयिक

कैसा होगा मोदी गठबंधन सरकार का भविष्य?

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार ने काम शुरू कर दिया है। भारत में गठबंधन सरकारों के काम करने और उसके संचालन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। गठबंधन में सरकार का नेतृत्व करने वाले दल और नेता पर साथी दल अधिक से अधिक मंत्री बनाने और जिन्हें वो चाहते हैं उन्हें मंत्री के रूप में स्वीकार करने तथा बाद में अपने अनुसार नीतियां बनवाने या बदलवाने के लिए दबाव डालते रहें। अपनी बात न मानने पर समर्थन वापसी तथा सरकार के अस्थिर होने, गिर जाने, कमजोर हो जाने की घटनाएं भी हमने देखी हैं। जानते और चाहते हुए भी कई बार प्रधानमंत्री को नीतियों के स्तर पर वैसे कदम उठाने से स्वयं को रोकना पड़ा या उठाए हुए कदम वापस लेने पड़े जो देश के लिए आवश्यक थे। डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान ऐसी कई घटनाएं हुईं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार को लेकर कोई आशंका उठती है तो उसे इस पृष्ठभूमि में तत्काल खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि विपक्ष इसे कमजोर व लंगडी सरकार बता रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में यह टिप्पणी कर रहा है कि वे शेर से बकरी हो गए हैं तो उससे पूछा जाना चाहिए कि इसके समानांतर अगर सत्ता में वे आते तो उनकी सरकार कैसी होती? कम से कम इस सरकार में एक इतनी बड़ी पार्टी है जिसके आसपास भी कोई दल नहीं। राहुल गांधी जी के शब्दों में अगर यह क्रिपल्ड सरकार है तो आईएनडीआईए की सरकार क्या ठोस चट्टान वाली होती? कहने का तात्पर्य कि हमें आशंकाओं या विपक्ष की अतिवादी आलोचनाओं में जाने की जगह वास्तविकताओं के आधार पर इसके वर्तमान एवं भविष्य का आकलन करना चाहिए। इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए कि आखिर अब मंत्रिमंडल गठन के बाद सरकार कैसे काम करेगी? सरकार की दिशा और दशा क्या होगी?

यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास अपनी भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े से बड़े फैसले हुए, कदम उठाए गए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। स्वयं सरकार को और देश को 10 वर्षों के इस अभ्यास से बाहर निकालना कठिन होगा। लेकिन क्या वाकई इससे बाहर निकालने की अभी ही आवश्यकता महसूस होती है या संभावना दिखाई देती है? ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह का खींचतान हमारे सामने नहीं आया। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में साथी दलों के 11 मंत्रियों का होना ऐसी संख्या नहीं है जिसे लेकर इस आरोप को स्वीकार कर लिया जाए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर साथी दलों का बहुत ज्यादा दबाव था। दूसरे, विभागों के बंटवारे में भी देखें तो जिन्हें जो मिला उसे लेकर कम से कम सार्वजनिक स्तर पर किसी ने भी अपना असंतोष प्रकट नहीं किया है। ज्यादातर का बयान यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विश्व की शीर्ष शक्ति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। गठबंधन सरकारों में साथी दलों के नेता इस तरह बेहिचक प्रधानमंत्री का नाम नहीं लेते थे। तीसरे, इस सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है, शीर्ष मंत्रालयों में फेरबदल न होना। आप देख लीजिए प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय यहां तक कि शिक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय आदि उन्हीं वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में है। तो सरकार के मुख्य चेहरे के रूप में अभी भी प्रधानमंत्री के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,विदेश मंत्री एस जयशंकर, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी,शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव आदि ही दिखाई देंगे। देश के लिए नीतिगत निर्णय में कैबिनेट कमिटी औन सिक्योरिटी अफेयर्स सुरक्षा मामलों के मंत्रिमंडलीय समिति की शीर्ष भूमिका होती है। इनमें प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री वित्त मंत्री होते हैं। इस दृष्टि से भी देखें तो सरकार के चरित्र में बदलाव नहीं हुआ है।

सरकार गठन के पहले मीडिया में साथी दलों द्वारा अलग-अलग मंत्रालयों के मांग की अटकलें आ रही थी, जिनमें बिहार द्वारा रेल मंत्रालय की मांग शामिल थी। हालांकि इसकी कहीं से पुष्टि नहीं हुई और जदयू के मंत्रियों को जो विभाग मिला उसका प्रभार उन्होंने संभाल लिया। कहने का यह अर्थ नहीं कि साथी दलों की अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप चाहत नहीं होगी और उन्होंने प्रधानमंत्री या अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के समक्ष अपनी बात रखी ही नहीं होगी। आगे भी वह अपनी बात नहीं रखेंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। मूल बात है जिद पर अड़ना और सरकार को मजबूर करके अपने अनुकूल निर्णय बदलवा लेना। उदाहरण के लिए यूपीए सरकार में तृणमूल कांग्रेस की ओर से रेल मंत्री बने दिनेश त्रिवेदी ने अपने बजट में यात्रियों का जैसे ही किराया बढ़ाया ममता बनर्जी बिफर गईं।

उन्होंने न केवल बजट में परिवर्तन करने बल्कि रेल मंत्रालय से हटाने का फरमान सुनाया और मनमोहन सरकार को ऐसा ही करना पड़ा। कम से कम वह स्थिति इस समय सरकार में नहीं दिख रही है। इसी तरह किसी सरकार के नेतृत्वकर्ता की अपनी आभा, देश और काम के प्रति समर्पण तथा उसका दृष्टिकोण व लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावकारी होता है। इस मायने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व अन्य कई प्रधानमंत्रियों से अलग है। उन्होंने देश के विकास के बारे में व्यापक विजन रखा है, जिसमें अगले सवा सौ दिन, 5 साल और 2047 तक की कार्ययोजना शामिल है। साथी दलों में जद-यू और तेलुगू देशम पहले भी केंद्र और प्रदेश में साथ काम कर चुकी है। उन्हें पता है कि प्रधानमंत्री देश के लिए व्यापक विजन रखते हैं उसमें सभी राज्यों के विकास की उनकी कल्पना है। तो उन्हें नीतियों को लेकर कोई संभ्रम नहीं होगा। थोड़े बहुत असहमति मतभेद उभर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा नहीं दिखा है कि किसी तरह के दबाव में सरकार के कदम रुकेंगे।आमतौर पर गठबंधन सरकारों में यह मांग होती है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यानी समान न्यूनतम कार्यक्रम बनाकर आगे काम किया जाए। न राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने चुनाव में जाने के पहले ऐसी मांग की और न सरकार गठन के पूर्व भाजपा को बहुमत न मिलने के बाद उनके पास इसका अवसर था और वैसा कर सकते थे। अगर उन्होंने मांग नहीं किया तो इसका अर्थ यही है कि पूर्व सरकार की ओर से जो एजेंडा रखा गया है उससे वह सहमत हैं। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा ने पिछले 10 सालों में अपने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद संबंधी एजेंडा पर खुलकर काम किया है और शेष कार्यों के लिए उन्होंने घोषणाएं भी की है। उदाहरण के लिए समान नागरिक संहिता लाना उनके घोषणा पत्र में और स्वयं प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री अमित शाह के भाषणों में शामिल था। विपक्ष की सोच है कि ऐसी मांगों पर ही सरकार में दरार आ जाएगी और यह गिर सकती है।

इसके विपरीत इस समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह बयान चल रहा है कि समान नागरिक संहिता में कोई समस्या नहीं है लेकिन उसे पूरी तरह विचार विमर्श करने के बाद लाया जाना चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र नरेंद्र मोदी आरंभ में ही समान नागरिक संहिता के लिए जोड़ डाल दें। निश्चित रूप से समय-समय पर विपक्ष संसद में एवं बाहर यह प्रश्न उठाएगि कि वह समान नागरिक संहिता क्यों नहीं ला रहे जैसे वे पहले धारा 370, राम जन्मभूमि आदि के बारे में इस सरकार को या पूर्व में वाजपेयी सरकार को घेरते थे। विपक्ष ने आशंका यह भी उठाई है कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक कभी भी गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है और जो उनका स्वभाव है उसमें इसे बहुत आगे खींचना संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने सरकार गठन के पूर्व राजग की बैठक के भाषण में 15 बार एनडीए तथा आठ बार गठबंधन शब्द का प्रयोग किया। यह भी किसी बात का संकेत है।

भाजपा व्यापक विचारधारा और एजेंडा वाली पार्टी है,जो एक बड़े संगठन परिवार के साथ संबद्ध है। इसमें यदि पूरे संगठन परिवार और स्वयं भाजपा के अंदर भारी संख्या में प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं तथा बाहर समर्थकों को लगा कि मोदी सरकार -3 पिछले दो सरकारों से अलग निश्चित दिशा की पटरी से थोड़ी उतरी है या दूसरी दिशा में जा रही है तो उनके अंदर निराशा होगी और इसके राजनीतिक परिणाम भाजपा के अनुकूल नहीं होंगे। इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के रणनीतिकारों को दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की चुनौती है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। हां, इतना अवश्य कहा जा सकता है कि पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान मोदी गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना, वातावरण व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है।

नजरिया

लोकसभा के नए सत्र से नई उम्मीदें जगनी चाहिएं

ललित गर्ग

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है।

संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र मोजॉयक है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्त्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

योगाभ्यास से मिला दीर्घायु का वरदान, 99 की उम्र तक लाखों लोगों को दिया 'दिव्य ज्ञान'

आठ साल की उम्र में योगाभ्यास में निपुण हो गई थीं वी नानाम्मल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगाभ्यास से दीर्घायु का वरदान पाने वाले अनेक योग शिक्षकों में वी नानाम्मल का नाम उल्लेखनीय है। उन्हें भारत की सबसे बुजुर्ग योग शिक्षिका कहा जाता था। उन्होंने 99 साल की उम्र पाई और अपने जीवन में लाखों लोगों को योगपथ पर चलने के लिए प्रेरित किया था। नानाम्मल का जन्म 24 फरवरी, 1920 को तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित ज़मीन कलियापुरम में हुआ था। उनके पिता अनुभवी योगाभ्यासी थे। इस तरह नानाम्मल की योगयात्रा उनके घर से शुरू हुई थी। उन्होंने आठ साल की उम्र में 50 से ज्यादा योगासनों में महारत हासिल कर थी। नानाम्मल का परिवार योग के अलावा चिकित्सा और खेती से जुड़ा था। हालांकि वे लोग सार्वजनिक रूप से योगाभ्यास का प्रशिक्षण नहीं देते थे। नानाम्मल के पति भी चिकित्सा कार्य से जुड़े हुए थे। शादी के बाद उनकी प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि पैदा हुई।

नानाम्मल ने साल 1972 में कोयंबटूर में योग केंद्र की स्थापना की। इसके बाद उन्होंने अपने पिता से सीखा हुआ 'ज्ञान' लोगों को सिखाना शुरू कर दिया। उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार योगाभ्यास करते हुए अनेक लोग विभिन्न बीमारियों से मुक्त हुए। कहा जाता है कि उन्होंने अपने योग स्कूल के जरिए 100,000 से ज्यादा लोगों को योगाभ्यास करना सिखाया। उन्होंने

सैकड़ों योग प्रशिक्षक तैयार किए, जो आज कई देशों में योग का प्रचार कर रहे हैं। नानाम्मल ने कोयंबटूर में 20,000 से ज्यादा लोगों को योग सिखाकर कीर्तिमान रचा था। उन्होंने खासकर महिलाओं के बीच योग के संबंध में बहुत जागरूकता फैलाई थी। उन्हें देश-विदेश में आयोजित कई बड़े कार्यक्रमों के निमंत्रण आते थे। लोगों के बीच उनका यूट्यूब चैनल बहुत मशहूर था।

एक बार नानाम्मल को चोट लग गई थी। इसके बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ था। उन्हें साल 2016 में राष्ट्रीय नारी शक्ति पुरस्कार और साल 2018 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वे 26 अक्टूबर, 2019 को देह त्याग कर ब्रह्मलीन हो गईं। आज भी लोग उन्हें 'गुलाबी साड़ी वाली दादी मां' के नाम से याद करते हैं।

योग की शरण में आने से महसूस हुए कई सकारात्मक बदलाव

जर्मनी में तेजी से बढ़ रही योग की लोकप्रियता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यूरोप के कई देशों की तरह जर्मनी में भी योग की लोकप्रियता तेजी से बढ़ती जा रही है। इस संबंध में कई सर्वेक्षण किए जा रहे हैं, जिनका निष्कर्ष यह है कि जर्मनी में लोग योगाभ्यास के कारण होने वाले लाभों को लेकर उत्साहित हैं। इससे उन्हें कई पुराने रोगों से निजात मिल रही है। जर्मनी में 2,000 से ज्यादा लोगों के बीच किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, योगाभ्यास करने वाले 15.1 प्रतिशत लोग ऐसे थे, जो लंबे अरसे से इससे जुड़े रहे हैं। योगाभ्यास की औसत अवधि 48.2 महीने थी। वहीं, 61.7 प्रतिशत लोगों ने कम से कम सप्ताह में एक बार अभ्यास किया था।

योगाभ्यास करने वालों में 62.8 प्रतिशत लोग वे थे, जिन्हें शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं। इसके अलावा 56.9 लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं। उन्होंने योगाभ्यास से स्वास्थ्य में सुधार और अपने जीवन में बदलाव महसूस किए थे। इसी तरह, योग के कारण सकारात्मक परिवर्तन की बात 89.7 प्रतिशत योगाभ्यासियों ने स्वीकार की। खासकर 58.8 प्रतिशत लोगों ने माना कि इससे आंतरिक संतुलन में वृद्धि हुई है। जो लोग वर्तमान में योगाभ्यास नहीं कर रहे, उनमें से 16.1 प्रतिशत लोग यह मानते हैं कि वे अगले 12 महीनों में योगाभ्यास शुरू कर सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार, जर्मनी में 15.7 मिलियन से ज्यादा लोग योगाभ्यास कर रहे हैं या इसमें रुचि रखते हैं। इनमें अधिकतर महिलाएं, महानगरीय लोग, उच्च शिक्षा प्राप्त लोग तथा नौकरीपेशा शामिल हैं। योगाभ्यास करने वाले लगभग 90 प्रतिशत लोग यह स्वीकार करते हैं कि वे जब से योग की शरण में आए हैं, उन्होंने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस किए हैं।

रीढ़ होगी मजबूत, तनाव रहेगा दूर-पश्चिमोत्तानासन में हैं इतनी खूबियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगशास्त्र में पश्चिमोत्तानासन को ऐसा योगासन बताया गया है, जो पाचन संबंधी अंगों की कार्य क्षमता में सुधार लाने के साथ ही मन को भी शांति देता है। यह तनाव और डिप्रेशन जैसी स्थिति में राहत देता है। पश्चिमोत्तानासन मोटापा दूर करने में सहायक होता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है।

ऐसे करें पश्चिमोत्तानासन

- सबसे पहले दंडासन में बैठें। अब हाथों से ज़मीन को हल्का-सा दबाएं।
- उसके बाद सांस अंदर खींचे और रीढ़ की हड्डी को तानने की कोशिश करें।
- अब हाथों को सीधा ऊपर उठाकर जोड़ें।
- उसके बाद सांस बाहर छोड़ें और आगे की तरफ झुकें।
- हाथों को भी धीरे-धीरे आगे ले जाएं।
- कोशिश करें कि इतना आगे मुड़ें कि पैरों को दोनों तरफ से हाथों से पकड़ लें।
- ध्यान रखें कि अगर आप आगे नहीं मुड़ पा रहे हैं तो वहीं रुक जाएं।
- इस योगासन में पहले पेट का अगला हिस्सा जांघ से स्पर्श करेगा। उसके बाद सीना और आखिर में सिर स्पर्श करेगा।
- इस आसन में आधा मिनट से लेकर एक मिनट तक रहने का अभ्यास किया जा सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- पीठ के निचले हिस्से में दर्द हो तो यह आसन नहीं करें।
- जिन्हें दस्त लग रहे हों, उन्हें उस दौरान यह आसन नहीं करना चाहिए।
- जिन्हें दमा संबंधी दिक्कत हो, उन्हें भी यह आसन नहीं करना चाहिए।
- शरीर को ज्यादा जोर लगाकर नहीं खींचना चाहिए। जितना सहजता से हो सके, उतना ही करें।

होते हैं ये फायदे

- पेट संबंधी रोगों में लाभदायक है।
- पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है।
- एकाग्रता प्राप्त करने में सहायक है।
- पेट की अतिरिक्त चर्बी को दूर करता है।
- यह आसन अनिद्रा में भी लाभदायक है।

तन और मन को मजबूत बनाएगा उष्ट्रासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेगिस्तान के जहाज़ ऊंट के बारे में सब जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है, ऊंट के नाम पर एक योगासन भी है? जी हां, इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। जब इस योगासन को करते हैं तो शरीर की आकृति ऊंट जैसी हो जाती है। इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। ऊंट दृढ़ इच्छाशक्ति और जीवट वाला होता है। वह विपरीत परिस्थितियों में भी धीरज रखता है। उष्ट्रासन करने से योगाभ्यासकर्ता का तन और मन, दोनों मजबूत होते हैं। आइए, जानते हैं उष्ट्रासन करने का तरीका ...

- सबसे पहले योगा मैट पर घुटनों के सहारे बैठें।
- ध्यान रखें कि घुटनों की चौड़ाई कंधों के बराबर हो।
- तलवे पूरी तरह से फैलाकर आसमान की ओर होने चाहिएं।
- इसके बाद रीढ़ की हड्डी को पीछे की तरफ़ झुकाएं।
- दोनों हाथों को एड़ियों पर टिकाएं।
- इस बात का ध्यान रखें कि आपकी गर्दन पर ज़्यादा दबाव नहीं पड़ना चाहिए।
- इस स्थिति में 15 सेकंड से 30 सेकंड तक रह सकते हैं।
- इस दौरान गहरी सांस लेते रहें। उसके बाद पूर्व स्थिति में लौट आएं।

ये फायदे होंगे

- पाचन क्षमता में वृद्धि होगी।
- पीठ और कंधे मजबूत होंगे।
- शारीरिक और मानसिक शक्ति में वृद्धि होगी।
- रक्त परिसंचरण में सुधार होगा।
- रीढ़ की हड्डी लचीली होगी।

ध्यान रखें

जिन लोगों को गर्दन या पीठ पर चोट लगी हो, उन्हें यह आसन नहीं करना चाहिए। जिनके घुटनों में दर्द हो, उन्हें भी इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इस जानकारी का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह स्वास्थ्य संबंधी सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। उचित सावधानियों का पालन करते हुए किसी कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही योगाभ्यास करना चाहिए।

फिल्म 'पावर स्टार' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता-गायक पवन सिंह की रियल और रील लाइफ बनी भोजपुरी फिल्म 'पावर स्टार' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। भोजपुरी सिनेमा में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी स्टार के जीवन पर आधारित बायोपिक फिल्म में खुद उसी अभिनेता ने खुद का किरदार जिया है। भोजपुरी सिनेमा में पहली बार है जब फिल्म पवर स्टार खुद पवन सिंह ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। इस फिल्म में पवन सिंह और मधु शर्मा की मुख्य भूमिका है।फिल्म 'पावर स्टार' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फ़िल्म पवन सिंह की लाइफ स्टाइल पर आधारित है, रीयल लाइफ में जैसे पवन सिंह हैं, वैसे ही इस फ़िल्म में भी वे दिखेंगे।

मैड्ज मूवीज बैनर के तले बिग स्केल पर बनाई गई भोजपुरी फिल्म 'पावर स्टार' के प्रोड्यूसर मधु शर्मा और समीर आफ़ताब हैं। इस फ़िल्म का निर्देशन फिरोज खान ने किया है। फिल्म पावर स्टार में पवन सिंह, मधु शर्मा, पीयूष सुहाने, मनोज सिंह 'टाइगर', प्रकाश जैस, युगांत पांडे, संजय वर्मा, अजय पटेल, इंद्रेश त्रिपाठी, उजैर खान, हेमलाल कौशल, सुजीत सार्थक, अभिषेक नजर आएंगे। साथ ही साथ ऋतु सिंह, रक्षा गुप्ता, डिंपल सिंह, आस्था सिंह की विशेष उपस्थिति इस फ़िल्म में होगी। फ़िल्म के डीओपी वासु हैं। कॉन्सेप्ट और कहानी समीर आफ़ताब ने लिखी है।पटकथा, संवाद जावेद अहमद ने लिखा है। जंगली म्यूज़िक टीम मंदार ठाकुर, गौरी यादवाडकर, नीलकंठ पंडित हैं। संगीतकार मधुकर आनंद, प्रियांशु सिंह, सरगम ङ्कङ्कआकाश ने गीतकार विनय बिहारी, आशुतोष तिवारी, रोशन सिंह विश्वास, प्रिंस प्रियदर्शी के लिखे गीतों को संगीत से सजाया है। एडिटर गुरजेंट सिंह, एक्शन मास्टर एस. मल्लेश, कोरियोग्राफर संजीव शर्मा, प्रसून यादव, राहुल हैं। कार्यकारी निर्माता मनोज रावले, लाइन प्रोड्यूसर रिजवान खान, आर्ट डायरेक्टर शेरा हैं। कॉस्ट्यूम विद्या - विष्णु का है। इस फ़िल्म का म्यूज़िक बहुत जल्द टाइम्स म्यूज़िक भोजपुरी (जंगली म्यूज़िक) पर रिलीज़ होने वाला हैं।

जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ बहुआयामी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ दोनों देशों के बीच बहुआयामी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और सहयोग बढ़ाने के लिए ऐसे नए क्षेत्रों पर चर्चा की जिनमें अभी संभावनाओं को तलाशा नहीं गया है। रविवार को संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर आए जयशंकर ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी अल-नाहयान के साथ चर्चा की। उन्होंने अबू धाबी में प्रतिष्ठित बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन किए और अल नाहयान से मुलाकात से पहले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने बहुआयामी भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की। उसने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने वाणिज्यिक व आर्थिक सहयोग, फिनटेक, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच परस्पर संपर्क समेत द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्रों में हुई ठोस प्रगति पर खुशी जतायी। मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने और सहयोग बढ़ाने के लिए ऐसे नए क्षेत्रों पर चर्चा की जिनमें अभी तक संभावनाएं तलाशी नहीं गयी हैं और उन्होंने क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष से मुलाकात करने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री अब्दुल बिन जायद से मुलाकात करके बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा, हमारी निरंतर बढ़ती व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर सकारात्मक और गहन बातचीत हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनके साथ (अल नाहयान के साथ) हुई चर्चा और उनके विचारों की सराहना करता हूं। जयशंकर ने अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर में दर्शन किए जिसका उद्घाटन इस साल 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस मंदिर को भारत-संयुक्त अरब अमीरात की मित्रता का प्रत्यक्ष प्रतीक बताया। इस मंदिर में चार महीने से भी कम वक्त में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं। जयशंकर ने मंदिर में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संस्थान (बीएपीएस) के पदाधिकारियों से मुलाकात की। बीएपीएस ने यूएई द्वारा दान की गई भूमि पर मंदिर बनवाया है। इसके बाद उन्होंने अबू धाबी संग्रहालय परिसर, लूव्र में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया। यह कार्यक्रम करीब 30 मिनट तक चला जिसमें कई देशों के लोगों ने भाग लिया।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जयशंकर के पुन: विदेश मंत्री पद पर नियुक्त होने के दो सप्ताह के भीतर संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा यह दिखाती है कि भारत इस अरब देश के साथ संबंधों को कितना महत्व देता है।

रूस ने हमलों में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल पर अमेरिकी राजदूत को तलब किया

मास्को/दक्षिण भारत। रूस के कब्जे वाले क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले में अमेरिका निर्मित मिसाइलों के इस्तेमाल को लेकर रूसी विदेश मंत्रालय ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार को यहां अमेरिकी राजदूत को तलब किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिका, यूक्रेन के युद्ध में प्रभावी रूप से एक पक्ष बन गया है और निश्चित रूप से जवाबी कार्रवाई की जाएगी। क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। रूसी अधिकारियों ने कहा कि रविवार के हमले में मारे गए लोगों में दो बच्चे भी शामिल थे, जो क्रीमिया के बंदरगाह शहर सेवस्तोपोल के तटीय क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा दागी गईं मिसाइलों के मलबे की चपेट में आ गए।

रूसी अधिकारियों ने कहा कि हमलों में क्लस्टर हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि लड़ाकों की तुलना में आम नागरिकों को इससे ज्यादा नुकसान होता है। रूस ने कहा कि ये मिसाइलें अमेरिका में बनी एटीएसीएमएस थीं, जो लंबी दूरी की निर्देशित मिसाइल है।

रूस ने अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को विदेश मंत्रालय में तलब किया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि रूसी क्षेत्र में हमले को अनदेखा नहीं किया जाएगा। संबंधित घटनाक्रम पर फिलहाल यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों की प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है। रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन की सेना पश्चिमी देशों से मिलने वाले हथियारों पर काफी हद तक निर्भर रही है।

इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यूक्रेनी सेना के एक प्रमुख सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने की सूचना दी, जिसमें पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलें और अन्य हथियार रखे हुए थे। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला लड़ाकू विमानों, ड्रोन, जमीन से दागी जाने वाली मिसाइलों और तोपखाने द्वारा किया गया।

अनिल कपूर ने 'क्रू' की सफलता की सराहना की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता अनिल कपूर ने कहा कि किसी को भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के असफल होने के डर से महिला प्रधान फिल्में बनाने से नहीं डरना चाहिए। उन्होंने 'आयशा', 'वीरे दी वेडिंग' और हाल ही में 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन अभिनीत 'क्रू' फिल्म मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। ओटीटी मंच 'नेटफ्लिक्स' पर पिछले महीने से क्रू फिल्म की स्ट्रीमिंग की गई थी। राजेश ए. कृष्णन द्वारा निर्देशित 'क्रू' फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी हैं। इसका निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और अनिल कपूर फिल्म्स एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क ने किया है।

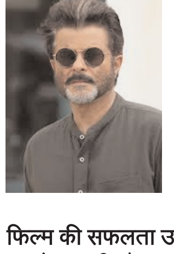

यह पूछे जाने पर कि एक निर्माता के तौर पर 'क्रू' जैसी महिला प्रधान फिल्म की सफलता उनके लिए क्या मायने रखती है, इसके जवाब में कपूर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि 'क्रू' न केवल सिनेमाघरों में, बल्कि नेटफ्लिक्स पर छाई रही। इसने शानदार कमाई की।'' उन्होंने कहा, ''यही कारण है कि काम करते रहना जरूरी है, ताकि हम 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण कर सकें, जिसे दूसरे लोग बनाने से कतराते हैं।

अगर हमें ऐसी फिल्में बनाने का मौका मिला, तो उनमें से कुछ फिल्में चलेंगी और शायद उनमें से कुछ न भी चलें, लेकिन कम से कम हमें ऐसी फिल्में बनाने की कोशिश तो करनी चाहिए।'' अभिनेता अनिल कपूर (67) ने फिल्म की सह-निर्माता और अपनी बेटी रिया कपूर को इसका श्रेय दिया। कपूर ने कहा कि रिया ने अपनी फिल्मों में महिलाओं को मुख्य किरदार के तौर पर पेश करने में कोई संकोच नहीं किया।

प्रशंसकों से जुड़ने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं बिग बी

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने फैंस से जुड़ने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिए वह अपने दूर-दराज के प्रशंसकों से भी कनेक्ट हो सकेंगे। सिने आइकन ने अपने दैनिक ब्लॉग पर यह जानकारी शेयर की। अमिताभ बच्चन ने लिखा, ''रविवार को एक विशेष मोबाइल प्लेटफॉर्म बनाने पर काम किया गया, ताकि सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों से जुड़ा जा सके।'' हर रविवार को मुंबई में अपने घर के गेट के बाहर अपने प्रशंसकों से मिलने वाले अभिनेता ने बताया कि उनका शुरुआती प्रयास सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा, कोशिश की, लेकिन यह काम नहीं हुआ, इस पर काम करने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे।''

सोशल मीडिया पर हमेशा अपडेट रहने वाले बिग बी नियमित रूप से अपने प्रशंसकों के साथ अपने काम और निजी जीवन के बारे में बातें शेयर करते रहते हैं। वहीं अमिताभ नाग अश्विन द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म 'कल्कि 2898 ई.' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह डिस्टोपियन साइंस फिक्शन

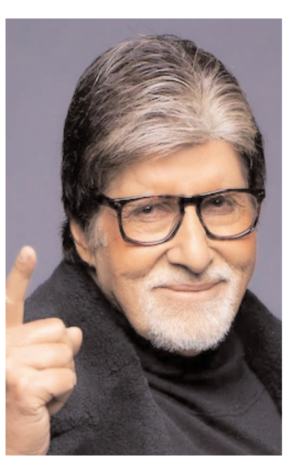

एक्शन फिल्म नाग अश्विन द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है। वैजयंती मूवीज के तहत सी. अश्विनी दत्त द्वारा निर्मित यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित है। यह फिल्म वर्ष 2898 ई. में एक सर्वनाश के बाद की दुनिया पर आधारित है।

इसमें दिशा पाटनी, प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बिग बी इस फिल्म में अश्वत्थामा की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म 27 जून को रिलीज होगी। प्रभास को पिछली बार 'सालार : पार्ट 1-सीजफायर' में देखा गया था। इसके बाद उनकी अगली फिल्म 'कन्नप्पा', 'द राजा साब' और 'सालार : पार्ट 2-शौर्यंगा पर्वम' पाइपलाइन में है। इससे पहले अमिताभ ने 'ऊंचाई', 'घूमर' और 'गणपथ' जैसी फिल्मों में काम किया है। मेगास्टार की अगली तमिल फिल्में 'वेट्टैयान' और 'द उमेश क्रॉनिकल्स' हैं। दीपिका जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। वह पिछली बार अनिल कपूर और ऋतिक रोशन के साथ एक्शन फिल्म 'फाइटर' में नजर आई थीं। उन्होंने 'पठान', 'जवान', 'गहराइयां', 'ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन - शिवा' और '83' जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजाजीनगर तेरापंथी सभा का नए अध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक सम्पन्न हुई। परामर्शक सुखलाल पितलिया ने श्रावक पत्र का वाचन किया।

जैसा व्यवहार हम स्वयं के लिए चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के प्रति करना ही धर्म है : सुधांशु महाराज

चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व जागृति मिशन की बेंगलूरु शाखा द्वारा जयनगर स्थित सभागार में आयोजित चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा महोत्सव के आखिरी दिन गुरुदेवश्री सुधांशुजी महाराज का सुनील मनोहर, मिश्रीलाल एवं एसडी गीता ने मंच पर आकर माल्यार्पण कर सम्मान किया। इस शुभ मौके पर व्यास पीठ पर विराजित गुरुदेव की पूजा सपत्नी प्रमोद टांटिया तथा प्रमोद डालमिया ने की। समापन समारोह के आखिरी सत्र में बोलते हुए राष्ट्रसंत सुधांशुजी महाराज ने कहा कि धार्मिक व्यक्ति वह है जिसका आचरण धर्ममय है। ऐसा व्यक्ति प्राणी मात्र के प्रति दया, करुणा, मैत्री का भाव रखता है। जैसा व्यवहार हम स्वयं के लिए, अपने बच्चों के लिए चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के प्रति करना ही धर्म है। प्राणीमात्र का कल्याण चाहना, सभी के सुख की कामना करना, सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करना ही धार्मिक व्यक्ति की पहचान है।

धार्मिक व्यक्ति सृष्टि के नियमों का पालन करता है और सृष्टि निर्माता परमात्मा में गहरी श्रद्धा रखता है। धर्म हमें भगवान से जोड़ता है। भगवान के नाम जप, स्तुति, कीर्तन, प्रार्थना और ध्यान यह सभी भक्ति में प्रगति के मार्ग हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान की स्तुति करते समय उनके दाता वाले स्वरूप का स्मरण करें, संकटमोचन वाले स्वरूप का स्मरण करें, रक्षक और करुणा निधान वाले स्वरूप का स्मरण करें।

हृदय से भगवान का धन्यवाद करें, स्तुति में भावना का ही विशेष महत्व है। जप, प्रार्थना और स्तुति आदि भगवान के प्रति प्रेम प्रकट करने की विधि है। भक्ति में हमारी जैसी भावना होगी वैसे ही फल की प्राप्ति होगी, भगवान सेवा से ही प्रसन्न होते हैं। भजन करते हुए सेवा करें और सेवा करते हुए भजन करें। प्रार्थना आत्मा का मुख्य भोजन है इसलिए प्रार्थना का नियम खुद के आध्यात्मिक उन्नति के लिए अवश्य बनाएं। इस सत्संग प्रवचन को सफल बनाने में मण्डल प्रधान केके. टांटिय के अलावा सैकड़ों कार्यकर्ताओं के सहयोग दिया। अंत में आदित्य टांटिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी महिलाओं का 'आनंद मेला' 20 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 'आनन्द मेला उत्थान 2024' का आयोजन 20 जुलाई को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि इस मेले में डायमंड के गहने, डिज़ाइनर राखियाँ, घरेलू सजावट का सामान,रसायन मुक्त मेकअप का सामान, साबुन एवं घरेलू उत्पाद सामग्री के लगभग 80 स्टॉल लगाए जाएंगे जिसमें आने वाले ग्राहक एक ही छत के नीचे खरीददारी का आनंद ले सकते हैं।

कमलेश चोपड़ा तेयुप विजयनगर के नए अध्यक्ष बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर की 17% वीं वार्षिक साधारण सभा तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने सभी का स्वागत किया।

मंत्री कमलेशचोपड़ा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, कोषाध्यक्ष अशोक मारू ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। संगठन मंत्री पवन बैद ने संगठन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रबंध मंडल के सदस्यों व पूर्व अध्यक्षों ने निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरना के कार्यों की सराहना की व धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सेवानिवृत हो रहे परिषद सदस्य, कार्यकारिणी सदस्य, प्रबंध मंडल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। संचालन कमलेश चोपड़ा ने किया। वर्ष 2024-25 कार्यकाल के लिए चुनाव अधिकारी पन्नालाल लुणिया एवं महेन्द्र टेबा ने प्राप्त नामांकन अनुसार कमलेश चौपड़ा को नया अध्यक्ष घोषित किया। उपस्थित जनों ने चौपड़ा को शुभकामनाएं दी।

राजाजीनगर तेरापंथ सभा ने पहली बैठक में लिए अनेक निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजाजीनगर तेरापंथी सभा का नए अध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक सम्पन्न हुई। परामर्शक सुखलाल पितलिया ने श्रावक पत्र का वाचन किया। अशोक चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए संघपति के प्रति समर्पित होकर महासभा के निर्देशित कार्य करने की बात कही। इस मौके पर ज्ञानशाला, भवन रखरखाव, विहार सेवा व अन्य प्रकल्पों के संयोजक व प्रभारियों की नियुक्ति की गई। चातुर्मास के दौरान बस की व्यवस्था व डिजिटल डायरेक्टरी बनाने का निर्णय किया गया। परामर्शक कैलाश बोराणा ने सभा की गतिविधियों की जानकारी महासभा तक पहुंचाने आदि विषयों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभा का संचालन चन्द्रेश मांडोत ने किया तथा सहमंत्री सतीश पोरवाड़ ने धन्यवाद दिया।

वसी मालाणी बाड़मेर जैन संघ के स्नेह मिलन में संखलेचा फिर बने अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वसी मालाणी बाड़मेर जैन संघ का 35 वां स्नेह मिलन मांगीलाल नवकारकुमार नाहटा परिवार के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। दीप प्रवज्वलन व मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का स्वागत कर लाभार्थी परिवार को धन्यवाद दिया। महामंत्री सुरेश धारीवाल ने संघ द्वारा किये कार्य का विवरण दिया। बैठक में सभी उपस्थितों ने ने संघ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सर्वसम्मति से पुनः कैलाश संखलेचा को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। संघ के कोषाध्यक्ष गौतम बोहरा एवं सहकोषाध्यक्ष दिनेश घीया ने लेखा-जोखा पेश किया। संघ द्वारा लाभार्थी परिवार सहित वर्षीतप के तपस्वियों का सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष गणेश बोथरा व सोहन छाजेड़ ने भोजन व्यवस्था में अपना सहयोग दिया। सहमंत्री सुरेश बोथरा, विक्रम बोथरा, गौरव संखलेचा ने खेलकूद प्रतियोगिता में अपना सहयोग दिया। आगामी स्नेहमिलन का लाभ गौतमचंद दानमल बोहरा परिवार ने लिया। कैलाश संखलेचा ने आभार जताते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

आचार्य तुलसी के महाप्रयाण दिवस को विसर्जन दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में गुरुदेवश्री तुलसी का 28 वां महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस के रूप में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में चामराजपेट स्थानक में मनाया गया। साध्वी उदितयशाजी ने कहा कि दीपावली पर लोग अंधकार को दूर करने के लिए दिए जलाते हैं, लेकिन मानव मन में घिरे ईर्ष्या, अहंकार और लोभ के अंधकार को मिटाने के लिए तुलसी मानो दूज के दिन एक नई रोशनी लेकर इस धरती पर अवतरित हुए। वह एक महान विसर्जनकर्ता रहे। अधिकारों का विसर्जन और अहंकार का विसर्जन करने के लिए एक आश्चर्यचकित और मानवीय दुर्लभता को झकझोर देने वाला उदाहरण प्रस्तुत किया साध्वी भव्ययशाजी ने कहा गुरुदेव तुलसी एक क्रांतिकारी व्यक्तित्व थे। उन्होंने जो विसर्जन किया वह महान था। अध्यक्ष रितु डूंगरवाल ,मंत्री ज्योति संचेती एवं सुरुचि ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। सभा के उपाध्यक्ष ललित मांडोत आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

दूसरे सत्र में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में विसर्जन दिवस के उपलक्ष्य में 'मौलिकता रहे सुरक्षित परिवर्तन सदा अपेक्षित' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साध्वीश्री ने कहा कि मूल का सिंचन करते हुए परिवर्तन करना होगा तभी वह सार्थक व स्थाई होगा।परिवर्तन की डोर को थामना है तो मूल का सिंचन करना आवश्यक है। इस प्रतियोगिता में विजेताओं का पुरस्कार दिया गया। सह संयोजिका स्वाती भंडारी ने संचालन किया तथा संयोजिका संतोष सेठिया ने धन्यवाद दिया।

गीतों के माध्यम से किया गुरु का गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में तेयुप हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा आचार्यश्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस के पूर्व संध्या पर हनुमंतनगर में भजन संध्या का आयोजन किया। साध्वी आस्थाप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से गुरूवर का गौरव गुणगान किया। ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं व ज्ञानर्थियों नए लघु नाट्य अभिनय द्वारा आचार्यश्री तुलसीगणी के जीवन व सिध्दांतों का स्मरण कराया।

भजन संध्या में महाश्रमण सुर संगम से प्रभारी सन्नी रांका, सुरेश कोठारी, तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, परामर्शक विक्रम पुगलिया, राहुल मेहता, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया, संदीप बाबेल ने एकल व सामूहिक प्रस्तुतियों दी। इस मौके पर सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी, सभा मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, अभातेयुप से गौतम खाब्या सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संचालन राहुल मेहता ने किया।

प्रथम कार्यकारिणी बैठक एवं दायित्व हस्तांतरण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा टी दासरहल्ली की कार्यकारिणी की पहली बैठक नवनिर्वाचित अध्यक्ष भगवतीलाल माण्डोत की अध्यक्षता में हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन सभा संरक्षक लादूलाल बाबेल ने किया।

भगवतीलाल मांडोत ने सभी का स्वागत किया एवं आगामी रूप रेखा प्रस्तुत की। निवर्तमान कोषाध्यक्ष प्रकाश गांधी ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। तत्पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष नवरतन गाँधी ने माण्डोत को आगामी कार्यकाल का दायित्व हस्तांतरण कर उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। इस अवसर पर विनोद मेहर, कैलाश बोहरा, मनोज मेहता, हिम्मत गिलुंडिया, कमलेश चावत, कन्यालाल गाँधी,सुरेंद्र मेहर, विजय पितलिया, उपस्थित रहे। संचालन सभा मंत्री प्रवीण बोहरा ने किया।

राजपुताना सेवा संगठन की श्रीराम कथा 29 से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय राजपुताना सेवा संगठन की ओर से 29 जून से राम कथा का आयोजन कटमनल्लर गेट के पास स्थित आंजनैय मंदिर में किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में बनारस के प्रसिद्ध कथावाचक शशिकांतजी महाराज और आराधना देवीजी अपने मुखारबिंद से कथा श्रवण करवाएंगे। इस आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कलश यात्रा की रूपरेखा व संचालन के लिए विस्तृत योजना बनाई गई। सभी सदस्यों ने अपनेसुझाव

साझा किए। संगठन के अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार ने सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की तथा अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का निवेदन किया। इस मौके पर अनेक समितियां बनाई गई। इस बैठक में संगठन के वरिष्ठ सदस्य, मातृशक्ति, युवा प्रतिनिधि, और विभिन्न समितियों के प्रमुख शामिल हुए

सुराणा संघ की साधारण सभा में महीपाल सुराणा फिर बने अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड़ स्थित श्री सुसवाणी माता धाम में संघ चेयरमैन दिलीप सुराणा की उपस्थिति में सुराणा संघ की साधारण सभा में संघ अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने सभी का स्वागत किया।

संघ महामंत्री भीमराज सुराणा ने गत कार्यकाल की विस्तृत जानकारी दी। सहकोषाध्यक्ष प्रकाशराज सुराणा ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सभा में मुख्य धाम मोरखाणा हवाई यात्रा संघ प्रस्तावित होने के साथ सुसवाणी माता धाम में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं अनुष्ठानों की व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा हुई।

तीन वर्षीय कार्यकाल हेतु संघ के नए अध्यक्ष के लिए चेयरमैन दिलीप सुराणा ने निवर्तमान अध्यक्ष महीपाल सुराणा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष ने महामंत्री के रूप में पुनः भीमराज सुराणा को मनोनीत किया और कहा कि शीघ्र ही नई कार्यकारिणी व पदाधिकारियों की घोषणा होगी। यादगिरी से उपस्थित विनोद सुराणा ने बेंगलूरु संघ को पूरे कर्नाटक तक विस्तारित करने का अनुरोध किया। सभा में पूर्व अध्यक्ष रिखबचंद बारनी, राजेंद्रकुमार सुमेरपुर, सरदारमल बारनी व अशोककुमार ईडवा ने भी अपने विचार रखे। साधारण सभा में मार्गदर्शक मंड़ल के विजयराज सुराणा, जयंत सुराणा, धर्मचंद सुराणा, एसवी सुराणा उपाध्यक्ष उत्तमचंद सोजत, सोहनलाल पीपाड़ सिटी, सहसचिव जतन बारनी व राजेश शेखावास, सहसंगठन मंत्री नरेंद्र सोजत, प्रचार मंत्री देवराज आऊवा सहित कई संघ सदस्य मौजूद थे।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने मनाया विश्व योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ की लेडीज विंग द्वारा विश्व योग दिवस पर राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में योग अभ्यास किया गया। प्रशिक्षिका मीनाक्षी जैन ने योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। जैन ने नये-नये योग आसन के फ़ायदे बताते हुए नियमित करने की प्रेरणा दी।

उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना, संयोजिका सोमना सिसोदिया ने सह-संयोजिका दीपू मांडोत ने योग के फायदे बताते हुए उसे नियमित करने की सलाह दी। जीतो नॉर्थ चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, लेडीज विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा ने शुभकामना दी। इस मौके पर महिला विंग के सदस्याएं बड़ी संख्या में मौजूद थीं।

दुनिया में 68 प्रतिशत लोग 'अमीरों' पर कर के पक्ष में, भारत में 74 प्रतिशत : सर्वे

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। जी-20 के वित्त मंत्री अगले महीने दुनिया के बेहद अमीर (सुपर-रिच) लोगों पर संपदा कर (वेल्थ टैक्स) लगाने को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। वहीं एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इन देशों के 68 प्रतिशत लोग अमीरों पर इस तरह का कर लगाने के पक्ष में हैं। भारत में तो यह आंकड़ा और अधिक यानी 74 प्रतिशत है। इन लोगों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर भुखमरी, असमानता और जलवायु संकट से निपटने के लिए इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए।

'अर्थ4ऑल इनिशिएटिव एंड ग्लोबल कॉमन्स अलायंस' के इस सर्वेक्षण में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 22,000 लोगों की राय ली गई। 'सुपर-रिच' पर कर लगाने का प्रस्ताव 2013 से लगातार चर्चा में है और पिछले कुछ वर्षों में इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन बढ़ रहा है। जी-20 के मौजूदा अध्यक्ष ब्राज़ील का लक्ष्य अमीरों पर कराधान को लेकर आम सहमति बनाना है। जुलाई में जी-20 के वित्त मंत्रियों की बैठक में इस बारे में एक संयुक्त घोषणा पर जोर दिए जाने की संभावना है।

फ्रांसीसी अर्थशास्त्री गैब्रियल ज़ुकमैन मंगलवार को इस बारे में एक रिपोर्ट पेश करेंगे कि कैसे बेहद अमीर लोगों पर वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कर काम करेगा और इसे कितना बढ़ाया जा सकता है। ब्राजील के जी-20 में इस कर के प्रस्ताव के पीछे जुकमैन का ही दिमाग है। जुकमैन का कहना है कि आम लोगों की तुलना में बेहद अमीर लोग काफी कम कर देते हैं। प्रस्ताव का उद्देश्य एक नया अंतरराष्ट्रीय मानदंड स्थापित करना है। प्रत्येक देश के अरबपति व्यक्ति को इस प्रस्ताव के तहत अपनी संपदा का दो प्रतिशत सालाना कर के रूप में देना होगा। सर्वे के अनुसार, 74 प्रतिशत भारतीय इस कर के पक्ष में हैं। 68 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि दुनिया को अगले दशक में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों - बिजली उत्पादन, परिवहन, भवन, उद्योग और भोजन - में नाटकीय कार्रवाई करने की जरूरत है। सर्वेक्षण में शामिल 81 प्रतिशत भारतीयों ने 'कल्याणकारी अर्थव्यवस्थाओं' में बदलाव का समर्थन किया है।

ब्रिटिश नागरिक अपनी मां से मिलने कार चलाकर लंदन से पुणे पहुंचा

ठाणे। भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विराज मुंगाले ने अपनी मां से मिलने के लिए लंदन से ठाणे तक अपनी 'एसयूवी' कार से एक असाधारण यात्रा पूरी की। विराज ने बताया कि यह सफर पूरा करने के लिए उन्होंने 59 दिनों में 16 देशों की यात्रा की। विराज के अनुसार, उन्होंने 18,300 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने बताया कि वह ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, पोलैंड, लिथुआनिया, लताविया, एस्टोनिया, रूस, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, चीन, तिब्बत, नेपाल और फिर भारत पहुंचे। इस सफर में उनके साथ नेपाली दोस्त रोशन श्रेष्ठ भी थे, जो नेपाल के काठमांडू तक गए।

सत्रह जून को ठाणे पहुंचे विराज ने सप्ताहांत में संवाददाताओं से कहा, मैं प्रतिदिन लगभग 400-600 किलोमीटर कार चलाता था। कभी-कभी 1,000 किमी तक भी कार चलाई, लेकिन हमेशा रात में वाहन चलाने से बचते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता दी। विराज ने बताया कि उन्होंने अपनी नौकरी से दो महीने की छुट्टी ली और जिस भी देश से गुजरे, वहां से आवश्यक अनुमति और कानूनी मंजूरी ली। बर्फ और ठंड सहित चरम मौसम की स्थिति उनकी यात्रा में आने वाली चुनौतियों में शुमार रहीं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com